पटना ●रविवार , 20 अप्रैल 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः102 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

नगर निकायों की सभी योजनाएं तय... 3 www. bordernewsmirror.com ज्वेल थीफ का नया गाना... 7

लगेगी टैरिफ की आग आएंगे जद में कई देश !

● अमेरिका से छूट पाने वाले देशों पर भी भड़का चीन

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिका ने चीन पर 245 फीसदी का टैरिफ लगाया है, जबकि भारत समेत कई देशों को अगले 90 दिनों की मोहलत दी है। इस पर चीन का कहना है कि भले ही अमेरिका ने हमारे ऊपर ही फिलहाल टैरिफ लगाया है, लेकिन इसका भी नुकसान तमाम देशों को होगा। चीन ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि

अमेरिका चाहता है कि 70 अन्य देश भी चीन से कारोबार कम करें। उसका कहना है कि ऐसा न हो कि वे चीन से सामान की खरीद करें और फिर अमेरिका को ही निर्यात कर दें। ऐसे में उन्हें चीन से अपने कारोबार को ही कम करना होगा। अमेरिका का कहना है कि चीनी कंपनियों को टैरिफ से बचने के लिए रीलोकेट भी न होने दिया जाए। इसके अलावा सस्ते चीनी माल को भी इन देशों में एंट्री न देने की बात कही है। इसी को आधार बनाते हुए ड्रैगन का कहना है कि यदि चीन के साथ दुनिया के तमाम देशों ने कारोबार बंद किया तो वैश्विक मंदी के हालात पैदा होंगे। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि अमेरिका ने हमारे ऊपर ऊंचा टैरिफ लगाया है, जबकि दूसरे देशों को रियायत दी है। उसकी कोशिश यह है कि ऐसा करने से दुनिया भर से उसका टकराव नहीं होगा।

अंडरवर्ल्ड डॉन रहे मुथप्पा राय के बेटे पर जानलेवा हमला

● बेंगलुरु में घर से केवल 200 मीटर दूर हमला, बिल्डर और पूर्व पत्नी पर शक

बेंगलुरु (एजेंसी)। पूर्व अंडरवर्ल्ड डॉन मुथप्पा राय के बेटे रिकी राय पर शुक्रवार देर रात बेंगलुरु के पास बिददी इलाके में जानलेवा हमला हुआ। पुलिस के अनुसार, रिकी राय अपनी कार में ड्राइवर और गनमैन के साथ बेंगलुरु लौट रहे थे। रात करीब 1.30 बजे, उनके घर से महज 200 मीटर दूर, एक अज्ञात हमलावर ने दो राउंड फायरिंग

की। दोनों को बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने कहा कि दोनों खतरे से बाहर हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रिकी हाल ही में रूस से लौटे थे और पारिवारिक मामलों को सुलझा रहे थे। हमले की एक बड़ी वजह एक रियल एस्टेट कारोबारी से चल रहा विवाद मानी जा रही है। रिकी के ड्राइवर ने एक बिल्डर और रिकी की पहली पत्नी पर शक जताया है। मुथप्पा राय के एक पुराना दुश्मन भी जांच के घेरे में है। बिददी पुलिस स्टेशन में अटेंप्ट टू मर्डर और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

दिल्ली में 4 मंजिला इमारत गिरी, 4 लोगों की मौत

● 10 से ज्यादा लोग अब भी मलबे में फंसे,रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में शुक्रवार देर रात ढाई बजे 4 मंजिला बिल्डिंग ढह गई। हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि अभी भी 10 से ज्यादा लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। पुलिस के मुताबिक, हादसे में 22 से ज्यादा लोग मलबे में दब गए थे। अब तक 14 लोगों को रेस्क्यू कर जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने 4 को मृत घोषित कर दिया। मौके पर एनडीआरएफ

और दिल्ली पुलिस की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं। डिविजनल फायर ऑफीसर राजेंद्र अटवाल ने बताया कि देर रात करीब 2.50 बजे एक मकान ढहने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो पता चला कि पूरी बिल्डिंग ढह गई है और लोग मलबे में फंसे हुए हैं। पुलिस के साथ मिलकर बचाव अभियान चलाया है। दरअसल, शुक्रवार रात दिल्ली में मौसम ने अचानक करवट ली थी। तेज बारिश और आंधी-तूफान के चलते कई इलाकों में नुकसान हुआ। माना जा रहा है कि इसी वजह से मुस्तफाबाद की इमारत भी ढह गई। डिप्टी स्पीकर और मुस्तफाबाद से विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने मौके पर पहुंचकर कहा कि यह हादसा एमसीडी की लापरवाही और भ्रष्टाचार का नतीजा है। उन्होंने बताया कि चुनाव जीतने के बाद इस इमारत को खतरनाक बताया था।

दो घंटे एक्सरसाइज, 6 घंटे की नींद बेहद जरूरी

शाह बोले-पिछले 5 सालों में रुटीन बदला, आज सभी दवाओं से मुक्त होकर खड़ा हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि, देश के युवाओं को अगर स्वस्थ्य और फिट रहना है तो उन्हें अपने रुटीन में बदलाव करना होगा। यह बात मैं अपने पर्सनल एक्सपीरियंस से बोल रहा हूं। अमित शाह ने नई दिल्ली में वर्ल्ड लिवर डे पर इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बाइलरी साइंसेस की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में ये बातें कहीं। शाह ने कहा कि देश के युवाओं को अभी 40-50 साल और जीना है और देश की प्रगति में योगदान देना है। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपने शरीर के लिए दो घंटे व्यायाम और अपने दिमाग के लिए छह घंटे की नींद रिजर्व करें। शाह बोले- आज किसी भी तरह की दवा की जरूरत नहीं। अमित शाह ने कहा, मई 2020 से लेकर आज तक मैंने अपने जीवन में बहुत बड़ा बदलाव किया। आवश्यक मात्रा में नींद, पानी और आहार और नियमित व्यायाम ने मुझे बहुत कुछ दिया है। आज मैं आपके सामने किसी भी तरह की एलोपैथिक दवा और इंसुलिन से मुक्त होकर खड़ा हूं। यह मेरा अपना अनुभव है।

स्पेस स्टेशन के लिए मई में रवाना होंगे शुभांशु शुक्ला

बहुत जल्द अंतरिक्ष में एक और इतिहास रचेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में नई उपलब्धि हासिल करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। देश अपनी अंतरिक्ष यात्रा में फिर से इतिहास लिखने वाला है। 4 दशक के बाद किसी भारतीय अंतरिक्ष यात्री को अगले महीने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में भेजने का फैसला हुआ है। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की भविष्य की प्रमुख योजनाओं की समीक्षा के लिए आयोजित उच्च स्तरीय बैठक के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा

कि इस मिशन में भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को भेजा जा रहा है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले पहले भारतीय राकेश शर्मा हैं। सोवियत अंतरिक्ष यान पर 1984 की उनकी उड़ान के बाद चार दशकों में अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले यह पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री होंगे। समीक्षा बैठक में अंतरिक्ष विभाग के सचिव और इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने कई आगामी अंतरिक्ष मिशनों की स्थिति पर प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि ग्रुप कैप्टन शुक्ला अगले महीने एक्सिओम स्पेस के एक्स-4 मिशन के तहत स्पेस के लिए उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ग्रुप कैप्टन शुक्ला का यह मिशन भारत के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सहयोग में एक मील का पत्थर है। वह वायुसेना के ट्रेंड पायलट हैं और उन्हें इसरो के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के तहत चुना गया था।

बार-बार क्रैश हो रहे हैं चेतक और चीता, अब ध्रुव पर भी ब्रेक

'हेलीकॉप्टर' संकट से जूझ रही हैं भारतीय सेनाएं, बड़ी है मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सशस्त्र बलों को एक बड़े संकट का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि लगभग 330 'ध्रुव' एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) लंबे समय से ग्राउंडेड हैं। इसने सैन्य अभियानों, विशेष रूप से अग्रिम क्षेत्रों में सप्लाई उड़ानों और टोही मिशनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। भारतीय सशस्त्र बल पहले से ही 350 पुराने सिंगल-इंजन वाले चेतक और चीता हेलिकॉप्टरों की खराब हालत और बार-बार क्रैश होने की घटनाओं से जूझ रहे हैं। ये 'ध्रुव' हेलीकॉप्टर भारतीय सेना, वायुसेना, नौसेना और तटरक्षक बल की रीढ़ माने जाते हैं। ये हेलीकॉप्टर चीन और पाकिस्तान के साथ लगती सीमाओं के अग्रिम क्षेत्रों में 'सस्टेनेन्स फ्लाइट्स', निगरानी, टोही, खोज और बचाव अभियानों में अहम भूमिका निभाते हैं। लेकिन पिछले तीन महीनों से इन सभी अभियानों में भारी रुकावट आ रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि, सभी सैन्य अभियानों पर असर पड़ा है।

हेलीकॉप्टरों की भारी कमी सिविल चॉपर्स से राहत

ALH की ग्राउंडिंग से पहले से चली आ रही हेलिकॉप्टरों की भारी कमी और गहरा गई है। सशस्त्र बलों ने आने वाले 10-15 वर्षों में अलग-अलग श्रेणी के 1,000 से अधिक नए हेलिकॉप्टरों की आवश्यकता जताई है। इनमें 484 लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर और 419 मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर शामिल हैं। लेकिन एएलएच द्वारा इन परियोजनाओं में लगातार देरी हो रही है। हालांकि, पिछले महीने एएलएच के साथ हुई 62,700 करोड़ रुपये की डील के तहत 2028 से 2033 के बीच 156 'प्रचंड' लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर मिलने की उम्मीद है।

सबसे ज्यादा असर भारतीय सेना पर

ध्रुव हेलीकॉप्टरों पर सबसे ज्यादा निर्भरता 11.5 लाख सैनिकों वाली भारतीय थल सेना की है, जिसके पास 180 से अधिक एएलएच हैं, जिनमें 60 हथियारबंद वर्जन 'रुद्र' शामिल हैं। वायुसेना के पास 75, नौसेना के पास 24 और तटरक्षक बल के पास 19 एएलएच हैं। इन 5.5 टन वजनी हेलिकॉप्टरों को 2002 से शामिल किया गया और वे सैन्य अभियानों का मुख्य आधार रहे हैं। सेना ने अकेले इन विमानों से 2023-24 में लगभग 40,000 घंटे की उड़ानें भरीं। 'ध्रुव' हेलीकॉप्टरों की ग्राउंडिंग इस साल 5 जनवरी को गुजरात के पोरबंदर में तटरक्षक बल के एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद शुरू हुई। इस हादसे में दो पायलटों और एक एयरक्रू डाइवर की मौत हो गई थी। इसके बाद से सभी एएलएच हेलीकॉप्टर ग्राउंड कर दिए गए हैं। जांच में यह पाया गया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर में 'स्वैशप्लेट फ्रैक्चर' की समस्या थी, जो पायलटों के कंट्रोल खोने की वजह बनी। अधिकारियों ने बताया कि अन्य एएलएच हेलीकॉप्टरों में भी ऐसे ही मैटीरियल फेल होने के संकेत मिले हैं। हालांकि एएलएच अब तक इस खामी की वजह स्पष्ट नहीं कर पाया है।

19 साल बाद फिर एक साथ आ सकते हैं राज और उद्धव

राज ठाकरे ने कहा- मतभेद बहुत छोटी, महाराष्ट्र बड़ी बात

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक बार फिर साथ आ सकते हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना चीफ राज ठाकरे ने शनिवार को इस बात का संकेत दिया। राज ठाकरे ने कहा- हमारे बीच राजनीतिक मतभेद हैं, विवाद हैं, झगड़े हैं, लेकिन यह सब महाराष्ट्र के आगे बहुत छोटी चीज हैं। महाराष्ट्र और मराठी लोगों के हित के लिए साथ आना कोई बहुत बड़ी मुश्किल नहीं है। राज ठाकरे ने अभिनेता और निर्देशक महेश मांजरेकर के यू-ट्यूब चैनल पर यह बातें कहीं। महेश मांजरेकर ने राज से उद्धव के साथ गठबंधन पर सवाल किया था। इस पर राज ठाकरे ने कहा कि किसी बड़े मकसद के आगे हमारे बीच की लड़ाइयां छोटी हैं। इधर उद्धव का भी रिएक्शन आया है, उन्होंने कहा कि मेरी तरफ से कभी कोई झगड़ा नहीं था।

शिंदे के सवाल पर बोले- किसी और के अधीन काम नहीं करूंगा

एकनाथ शिंदे के सत्ता में आने और ऐतराज की बात पर राज ने कहा,पहली बात तो यह कि शिंदे का जाना या विधायकों का टूटना राजनीति का अलग हिस्सा बन गया। जब मैंने शिवसेना छोड़ी तो कई विधायक और सांसद मेरे पास आए। लेकिन मेरे मन में एक ही बात थी कि अगर बालासाहेब को छोड़ दूंगा तो किसी और के अधीन काम नहीं करूंगा। उस समय यही स्थिति थी। उन्होंने कहा, जब मैं शिवसेना में था तो मुझे उद्धव के साथ काम करने में कोई आपत्ति नहीं थी।

राहुल के चक्कर में बुरी तरह फंस चुकी है कांग्रेस

● कर्नाटक में आगे कुआं पीछे खाई वाली बन गई स्थिति

बीजेपी हमलावर, जाति जनगणना में फंसी सिद्धा सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया एक मुश्किल स्थिति में फंस चुके हैं। यह मुश्किल जाति जनगणना को लेकर है। पार्टी नेता राहुल गांधी इस जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं और सिद्धारमैया उनके इस अभियान को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, अब यह उनके लिए ही मुसीबत बन गई है। जाति जनगणना की रिपोर्ट पर उनके अपने ही मंत्रिमंडल में मतभेद हैं। डेटा को लेकर भी कई सवाल उठाए जा रहे हैं। बीजेपी इस मुद्दे पर सरकार पर हमला कर रही है। लोगों में भी इस रिपोर्ट को लेकर शंका और संदेह भरे पड़े हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के लिए आगे कुआं और पीछे खाई वाली स्थिति बन गई है। कर्नाटक की राजनीति में इन दिनों उथल-पुथल मची हुई है। कांग्रेस पार्टी और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया हर कदम सावधानी से रख रहे हैं। इसकी वजह है जाति जनगणना को लेकर उठा विवाद। राहुल गांधी इस जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं और लगता है कि उन्हें ही खुश रखने के लिए सिद्धारमैया इसे जल्द लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल पहले से ही जाति जनगणना को मुद्दा बनाने की कोशिश में हैं।

मुर्शिदाबाद हिंसा ममता के लिए बनी गले की फांस !

मुश्किल में सरकार, आसान नहीं होगा इस दंगे का 'दाग' छुड़ाना

कोलकाता (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून के विरोध के नाम पर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जिस तरह से हिंसा को अंजाम दिया गया, उसकी हकीकत की परतें अब खुलने लगी हैं। पहले जिस तरह से इन हिंसक वारदातों की जानकारियां सामने आईं, उससे इसकी भयानकता का अंदाजा नहीं लग पा रहा था। लेकिन, जब राष्ट्रीय महिला आयोग और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के सामने हिंसा पीड़ितों ने अपने

● मुर्शिदाबाद में हिंसा के पीड़ितों की दर्दनाक दास्तान सामने आई

हालात बयां किए हैं तो यकीन करना मुश्किल हो रहा है कि यह सब उस राज्य में हो रहा है, जहां 14 वर्षों से एक महिला मुख्यमंत्री शासन कर रही हैं।

ममता सरकार में घर में ही शरणार्थी बन गए लोग- पश्चिम बंगाल में ममताराज में इससे पहले कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जो सियासी दावों और प्रतिदावों में उलझकर हवा हो चुकी हैं। लेकिन, इस बार मामला बहुत ही भयानक है। तृणमूल सरकार इस हकीकत से मुंह नहीं फेर सकती कि आज बंगाल के ऐसे दिन हो गए हैं कि अपने ही प्रदेश में लोगों को शरणार्थी बनकर रहने को मजबूर कर दिया गया है। जो राज्य सरकार मुर्शिदाबाद को जलने से रोक नहीं पाई, वह प्रदेश के राज्यपाल को कानून-व्यवस्था के नाम पर दंगा पीड़ितों से मुलाकात नहीं करने की सलाह दे रही थी। खैर बंगाल के गवर्नर सीवी आनंद बोस ने राज्य सरकार

की सलाह को नजरअंदाज कर राहत शिविरों में रह रहे मुर्शिदाबाद हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की। एएनआई के मुताबिक राज्यपाल ने पीड़ितों से बातचीत के बाद मीडिया वालों से कहा है, वे (पीड़ित) सुरक्षा का माहौल चाहते हैं और निश्चित रूप से कुछ अन्य मांगें या उनके द्वारा दिए गए सुझाव भी हैं।

सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी

पीड़ितों से मुलाकात के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार ने कहा,भयंकर..कोई महिला का पति गया, कुछ ने अपने बेटे खो दिए। उनको घर से खींचकर... उनको कसाई की तरह काट दिया....यह भयानक है। मुझे नहीं पता कि ऐसी घटनाएं पश्चिम बंगाल में पहले कभी हुई हैं। हम यह सब कुछ पहली बार देख रहे हैं। यह मंजूर नहीं है। सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी....। दो दिनों से चेयरपर्सन विजया रहाटकर की अगुवाई में राष्ट्रीय महिला आयोग का एक प्रतिमंडल भी बंगाल के हिंसा पीड़ित इलाकों के दौरे पर है और मौके पर पीड़ितों से उनकी आपबीती सुन रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को जब राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम मुर्शिदाबाद पहुंची तो पीड़ित महिलाओं की पीड़ा देखकर वह भी भौंचक्की रह गई।

हाईवे की हालत खराब है तो टोल नहीं वसूल सकते

हाईकोर्ट ने दिया आदेश, सुप्रीम कोर्ट ने लगा दी रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें कहा गया था कि खराब स्थिति में हाईवे पर टोल टैक्स नहीं वसूला जाना चाहिए। इससे पहले हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर लखनपुर और बन्न टोल प्लाजा पर टोल शुल्क में 80 प्रतिशत की कटौती कर दी गई थी। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट ने

कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) एनएच-44 पर लखनपुर और बन्न टोल प्लाजा पर 75 प्रतिशत की दर से टोल वसूल सकता है। इस मामले की अगली सुनवाई 19 मई, 2025 को निर्धारित की गई है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने फरवरी 2025 में एक जनहित याचिका (पीआईएल) के जवाब में आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि जब तक दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरी तरह से पूरा नहीं हो जाता, तब तक एनएच-44 के लखनपुर और बन्न टोल प्लाजा पर टोल शुल्क को 80 प्रतिशत तक कम किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

15 ग्राम स्मैक के साथ चार अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम/हाजीपुर/सराय

सराय थाना क्षेत्र के सराय पुरानी बाजार से सराय थाने की पुलिस ने छापेमारी कर 15 ग्राम स्मैक के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार सराय पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार में छापेमारी कर लगभग 15 ग्राम स्मैक के साथ चार अभियुक्तों का धर दबोचा। गिरफ्तार व्यक्ति योगेंद्र साह के पुत्र हिमांशु कुमार, विश्वनाथ राम के पुत्र राजू कुमार, मंटू साह के पुत्र जीतू कुमार, दिलीप साह के पुत्र ओमप्रकाश सभी पुरानी बाजार गांव निवासी बताया गया है। पुलिस ने उक्त सभी आरोपितों थाने लाकर प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेजने की तैयारी में जुटी है ।

शिक्षको ने जिले की लचर ट्रैफिक व्यवस्था के खिलाफ उठाई आवाज

- चिन्हित प्वाइंट पर शिफ्ट वाइज पुलिस बल को तैनात किये जाने की मांग

बीएनएम/हाजीपुर

समस्या

वैशाली जिला विशेषकर हाजीपुर मुख्यालय के लचर ट्राफिक व्यवस्था ने घर से निकलने वालों को परेशान कर रखा है। प्रतिदिन स्कूल जाने वाले बच्चे हों, डाक्टर को दिखाने निकले मरीज हों या ड्यूटी पर निकलने वाले शिक्षक कर्मचारी - सभी इस ट्रैफिक बदइंतजामी एवं सड़क जाम से हलकान हैं। विशेषकर महिला सरकारी कर्मी। सरकारी विद्यालयों में अहले सुबह ड्यूटी पर पहुंचने की आपाधापी इसलिए भी शिक्षकों में अधिक होती है। क्योंकि उपस्थिति विद्यालय में जाकर एक विशेष ऐप ई-शिक्षा कोष पर होती है। जिसकी मानिटरिंग मुख्यालय स्तर पर अपर मुख्य सचिव के द्वारा की जाती है। अहले सुबह जहां कोई भी पुलिसकर्मी सड़कों पर मौजूद नहीं होता। जिस कारण गलत लेन से वाहनों में होड़ लग जाती है। नतीजतन शीघ्र ही पूरी यातायात व्यवस्था ठप्प हो जाती है। टेंपो,बस,कार को छोड़िए - बाईक भी नहीं निकल पाते। राजापाकड़ में पदस्थापित प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका बंदना कुमारी ने जिलाधिकारी वैशाली से इस समस्या के समाधान का गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दिन आड़े तिरछे ट्रक लगाकर ड्राइवर फरार रहते हैं, नतीजतन गाडियां जाम में फंसी रहती है और विद्यालय पहुंचने में अक्सर विलंब होने का खतरा रहता है। हाजीपुर में पदस्थापित शिक्षिका फौजिया नफीस ने रुआंसे होकर कहा कि किसी तरह लोगों से लिफ्ट लेकर रोज विद्यालय पहुंचती हूं। प्रधानाध्यापक से डांट एवं वेतन में कटौती की तलवार हमेशा लटकी होती है। इसी तरह की शिकायत भगवानपुर के आलोक रंजन की भी रही। उन्होंने कहा कि तनाव और जाम से हमेशा बाइकिंग मुश्किल होती जा रही है। अविलंब जिला प्रशासन को संज्ञान लेते हुए पुलिसकर्मियों की ड्यूटी सुनिश्चित करनी चाहिए।इस संबंध में शिक्षकों के संगठन भी सक्रिय हो रहे हैं। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के उत्तर पूर्व क्षेत्र प्रमुख डॉ पंकज कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन को अविलंब इस समस्या का संज्ञान लेना चाहिए। जिला पदाधिकारी वैशाली ऐसे मामलों में अत्यंत संवेदनशील हैं, ऐसे में जिले के सड़कों के ट्राफिक व्यवस्था में सुधार नहीं होना आश्चर्यजनक है। उन्होंने अविलंब सुबह से शिफ्ट वाइज पुलिस बल के चिन्हित प्वाइंट्स पर प्रतिनियुक्ति की मांग की जिससे आवागमन सुगमतापूर्वक हो सके।

10 लीटर देशी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम/ हाजीपुर/महुआ

महुआ थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 10 लीटर देशी शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के अनुसार शंभो गांव निवासी मनु सहनी पिता शिवचन्द्र सहनी को गुप्त सूचना के आधार 10 लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है।इस संबंध में उक्त अभियुक्त के विरुद्ध महुआ थाने में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

जिले के कुल 42 चयनित स्थलों पर महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम/हाजीपुर

वैशाली जिले में कुल 42 स्थानों पर महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।जिसमें 24 हजार से ज्यादा महिलाएं विभिन्न स्थानों पर आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में शामिल हुई।महिला संवाद महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक पहल है जिसके माध्यम से महिलाओं से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी महिलाओं की दी जा रही है। ग्रामीण महिलाएं इस कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर रही है जिससे की आगे चलकर उसका उसका समुचित लाभ ले पाएगी | इसके साथ ही महिलाओं से सुझाव को भी लिया जा रहा है कि व्यक्तिगत अथवा सार्वजानिक हित में और सरकार से क्या अपेक्षाएं है | सुझावों को संकलित कर प्राथमिकता निर्धारण की जा रही है एवं उसका दस्तावेजीकरण किया जा रहा है | आगे उसे जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार को भेजा जाएगा, ताकि उस पर विचार कर नीतिगत निर्णय लिया जा सके।महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अभी तक लिए गए निर्णय एवं किए गए कार्यों की जानकारी ऑडियो विजुअल के माध्यम से महिलाओं को दी जा रही है।इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण की दिशा में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी लीफ्लेट्स के माध्यम से दिया जा रहा है, जिसे सभी महिलाएं पढ़कर जानकारी प्राप्त कर रही हैं।इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित महिलाएं अपना अनुभव भी साझा कर रही है कि अमुक योजना से किस प्रकार उनके जीवन में बदलाव आया है। सावित्री देवी द्वारा बताया गया कि कन्या उत्थान योजना का लाभ लेकर अपनी बेटी की शादी की।निर्मला देवी बताई कि लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान का लाभ मिला और अपने घर में शौचालय बनाई।मनीषा देवी बताई कि कैसे उनका चयन जीविका में पशु सखी के रूप में हुआ और इससे किस तरह उनको लाभ मिल रहा है।प्रखंड हाजीपुर में रमदाहा, शिवगंज और दयालपुर में महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें महिलाओं ने उत्सुकतापूर्वक भाग ली |

राजापाकर (अजा) विधानसभा क्षेत्र की अनोखी दास्तां...

बीएनएम/हाजीपुर/राजापाकर

- जब से विधानसभा क्षेत्र बना तब से दुबारा नहीं हुए कोई विधायक
- सिटिंग विधायक को पुनः कभी नहीं मिला उक्त विधानसभा का टिकट।

जंदाहा विधानसभा खत्म होने के बाद महनार अनुमंडल क्षेत्र के सहदेई बुजुर्ग और देसरी तथा महुआ अनुमंडल क्षेत्र के राजापाकर प्रखंड को मिलाकर राजापाकर (अनुसूचित जाति) क्षेत्र बना है। राजापाकर विधानसभा में सर्वप्रथम 2010 ई के विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन से जनता दल यूनाईटेड को यह सीट मिला और समय राजद-लोजपा- कांग्रेस का गठबंधन में राजापाकर के स्थानीय उम्मीदवार को लोजपा ने सिंबल दिया। जदयू से पूर्व मुख्यमंत्री और हाजीपुर के तत्कालीन सांसद स्व रामसुन्दर दास के पुत्र संजय कुमार दास को चुनाव में आये। लोजपा ने एक साधारण कार्यकर्ता इन्दिरा आवास के मकान में रहने वाले संघर्षशील उम्मीदवार गौरीशंकर पासवान पर विश्वास जताते हुए मैदान में उतारा। कम वोट के अंतराल में जदयू के उम्मीदवार संजय कुमार दास चुनाव जीत गये और लोजपा उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा। 2015 ई के विधानसभा चुनाव में राजद-जदयू- कांग्रेस का महागठबंधन बना और एनडीए में भाजपा-लोजपा- उस समय की उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी रालोसपा, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा एक साथ मिलकर चुनाव लड़ा। जिसमें महागठबंधन में यह सीट राजद के कोटे में दे दिया गया और जदयू से सिटिंग विधायक संजय दास का टिकट काट दिया गया। एनडीए में पुनः लोजपा के खाते में यह सीट दिया गया। महागठबंधन में राजद से पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम एवं एनडीए में लोजपा के रामनाथ रमण के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें शिवचंद्र राम दस हजार से अधिक वोट के अंतराल में लोजपा उम्मीदवार को चुनाव हराया। 2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए में जदयू-भाजपा-हम पार्टी का गठबंधन हुआ। महागठबंधन में राजद-कांग्रेस-भाकपा माले, माकपा का गठबंधन हुआ। लोजपा अकेले चुनाव मैदान उतरा। महागठबंधन ने राजापाकर की सीट कांग्रेस के खाते में दे दिया और राजद के सिटिंग उम्मीदवार शिवचंद्र राम को राजद ने पातेपुर से टिकट दिया। 2020 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के कांग्रेस उम्मीदवार प्रतिमा कुमारी, एनडीए में जदयू के प्रत्याशी महेंद्र राम और लोजपा के टिकट पर लड़े स्व रामविलास पासवान के दामाद मृणाल पासवान के बीच मुकाबला हुआ। कांग्रेस के प्रत्याशी प्रतिमा कुमारी एवं जदयू के महेंद्र राम के बीच कांटे की टक्कर हुई। तीसरा नंबर लोजपा उम्मीदवार मृणाल पासवान को लगभग बाईस हजार वोट मिला। कांग्रेस प्रत्याशी प्रतिमा कुमारी ने बहुत कम वोट के अंतर से जदयू के महेंद्र राम को हरा दिया। देखना यह रोचक होगा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन यहां पुराने उम्मीदवार पर भरोसा करती है या फिर पुनः यहां से नये प्रत्याशी को चुनावी समर में कूदाती है। राजापाकर विधानसभा बनने के समय से अब तक लोजपा लगातार यहां से उम्मीदवार दे रही हैं लेकिन वह भी लगातार अपना कैंडीडेट को बदल-बदल कर हीं चुनाव मैदान में उतारती है।

वरिष्ठ पत्रकार एसएन श्याम को मिला अंबेडकर सम्मान

बीएनएम। पटना

वरिष्ठ पत्रकार व प्रसिद्ध क्राइम रिपोर्टर तथा समाजसेवी एसएन श्याम को भाजपा विधायक अरुण कुमार सिन्हा ने पत्रकारिता के माध्यम से समाज के विकास में बहुमूल्य एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सम्मान से सम्मानित किया है ।यह सम्मान राष्ट्रीय अधिवक्ता मंच ने दिया है। संविधान निर्माता भारत रत्न भीमराव अंबेडकर की जयंती पर श्री श्याम को अंग वस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र विधायक श्री सिन्हा द्वारा प्रदान किया गया। गौरतलब है कि श्री श्याम 35 वर्षों से श्रमजीवी पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय है समाज सेवा हेतु राष्ट्रपति का सराहनीय सेवा पदक भी प्राप्त हुआ है। वर्तमान में पत्रकारों की निबंध संस्था बिहार प्रेस मेंस यूनियन के संस्थापक अध्यक्ष है। राष्ट्रीय स्तर की सशक्त और सक्रिय पत्रकार संगठन भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय सचिव है। डिजिटल मीडिया अनुभवी आंखें प्राइवेट लिमिटेड के बिहार स्टेट है। बिहार प्रेस मेंस यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष अनमोल कुमार, उपाध्यक्ष भोला प्रसाद, सचिव अवधेश कुमार, वरिष्ठ पत्रकार राज किशोर सिंह एवं इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय सचिव सुधांशु कुमार ने श्री श्याम को यह सम्मान मिलने पर हर्ष व्यक्त किया है।

अज्ञात वाहन के धक्के से ट्रक चालक की मौत

दुखद

बीएनएम/हाजीपुर/जंदाहा

जंदाहा हाजीपुर एन एच 322 मार्ग में जंदाहा थाना के अंधराबर चौक के पास शुक्रवार की देर रात एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन से धक्का लगने से एक ट्रक चालक की मौत हो गई। मृतक ट्रक चालक की पहचान पटना जिला के सलेमपुर थाना के अलीपुर बिहटा निवासी स्वर्गीय विनय सिंह के पुत्र रवि रंजन कुमार उम्र करीब 28 वर्ष के रूप में की गई है। घटना शुक्रवार की रात करीब 2:30 बजे की बताई जाती है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि पटना से जूट का बोरा लोड कर ट्रक मधेपुरा जा रही थी। बताया जाता है कि ट्रक पर बंधा तिरपाल ढीला हो जाने से अंधरावर चौक के पास चालक ट्रक रोक कर तिरपाल पर लगा रस्सा कस रहा था। उसी दौरान जंदाहा से हाजीपुर की ओर जा रही एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन से उसे तब धक्का लग गई जब वह सड़क किनारे अपनी ट्रक खड़ा कर रस्सा कस रहा था। अज्ञात वाहन से धक्का लगने से ट्रक चालक रवि रंजन कुमार गंभीर जख्मी हो गया तथा घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं धक्का मारने वाला अज्ञात वाहन भाग निकला। घटना की सूचना पर जंदाहा थाना अध्यक्ष अरविंद पासवान दलबल सहित घटनास्थल पर पहुंच घटना की जांच पड़ताल करते मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक दो भाई में छोटा भाई था। मृतक को एक पुत्र एवं एक पुत्री है। पुलिस मामले के अनुसंधान में लगी है। घटना की सूचना पर मृतक के स्वजन सदर अस्पताल हाजीपुर पहुंचे जहां पोस्टमार्टम के पश्चात मृतक का शव उनके स्वजनों को सौंप दिया गया है।

शांति स्तूप वैशाली परिसर चलाया गया स्वच्छता सह जागरूकता अभियान

बीएनएम/हाजीपुर

अर्थ डे के पूर्व शनिवार को भगवान महावीर की जन्म भूमि वैशाली के शांति स्तूप परिसर में प्लास्टिक वारियर्स की ओर से विशेष जागरूकता सह स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला संगठन आयुक्त व बिहार के ब्रांड एम्बेसडर ऋतुराज के नेतृत्व में प्लास्टिक वॉरियर्स टीम एवं भारत स्काउट एवं गाइड यूनिट ने मिलकर स्वच्छता अभियान चलाया। जिसमें 200 से अधिक स्काउट गाइड एवं 125 प्लास्टिक वॉरियर्स सहित शिक्षकों ने भाग लिया। जिला संगठन आयुक्त ऋतुराज ने कहा की आज का यह दिन सिखाता है कि हमें अपने पर्यावरण की रक्षा के लिए कृत संकल्प रहना चाहिए। हमने इस जगह को साफ करने का निर्णय लिया ताकि यहां आने वाले लोग आरामदायक और सुंदर वातावरण का अनुभव कर सकें। स्थल पर उपस्थित आम जनों को भी जागरूक किया गया कि वह सिंगल युज प्लास्टिक का युज ना करें। सभी ने परिसर में फैले प्लास्टिक के सामग्री को इकट्ठा किया। पूरे परिसर में सबसे अधिक पानी की बोतले, कुरकुरे, चिप्स का रैपर बिखरे पड़े थे। सैकड़ो की संख्या में उपस्थित स्वयंसेवकों ने एक घंटे के अंदर पूरे परिसर के सभी कचरे को एकत्रित कर डस्टबिन में संग्रहित किया। सभी को धन्यवाद दिया और कहा, "इस तरह के कार्यक्रमों से हमें एक सामूहिक जिम्मेदरी का बोध होता है। हम सभी मिलकर ही अपने पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं।" हम सभी का नैतिक कर्तव्य बनता है कि खासकर सामाजिक एवं धार्मिक स्थलों पर कचरा ना फैलाएं और सामूहिक सहयोग से ऐसे की सफाई ने अपना अहम योगदान करें।

प्लास्टिक को नही अपनाने, पौधा लगाने का लिया संकल्पः स्काउट मास्टर नरेंद्र प्रसाद सिंह ने सभी उपस्थित लोगों को प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और अपने आस-पास के पर्यावरण की देखभाल के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें सभी ने पृथ्वी को स्वच्छ सुंदर, प्लास्टिक कचरा को दूर करने एवं अधिक से अधिक पेड़ लगाने जैसे संकल्प लेकर कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में स्काउट मास्टर श्रवण कुमार, जितेश कुमार ,अरविंद कुमार, गाइड कैप्टन निशि चंद्रवंशी, साक्षी राय, ज्योति यादव ,नीलम कुमारी ने अपना अहम योगदान दिया।

डॉ.अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान अंतर्गत दलित -महादलित टोले में शिविर का आयोजन

बीएनएम/राजापाकर

प्रखंड क्षेत्र के छह पंचायतों में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग बिहार सरकार द्वारा डॉक्टर अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत हर टोला हर परिवार हर सेवा अभियान के तहत दलित महादलित टोले में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सरकार द्वारा चलाई जा रही 22 प्रमुख योजनाओं सहित अन्य लाभकारी योजनाओं के संबंध में बताया गया। पंचायत के बेरई, नारायणपुर, बिलंदपुर, बैकुंठपुर, बाकरपुर, जाफरपट्टी पंचायत के दलित-महादलित टोले में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिला सशक्तिकरण नीति 2015, शराब बंदी, दहेज प्रथा उन्मूलन, बाल विवाह निषेध, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, पोशाक योजना, जीविका सतत जीव कोपार्जन योजना, महिला हेल्पलाइन, महिला उद्यमी योजना, राशन केरोसिन योजना सहित सभी 22 तरह के योजनाओं की जानकारी दी गई। वहीं शिविर में दलित-महादलित महिला पुरुषों की भारी भीड़ देखी गई। वहीं लोगों ने जन्म मृत्यु, जॉब कार्ड, आवास योजना सहित विभिन्न योजना से संबंधित समस्याओं को लेकर आवेदन दिया। वहीं कई आवेदनों का मौके पर निबटारा किया गया। शिविर में प्राप्त जन्म प्रमाण पत्र का भी मौके पर वितरण किया गया। बेरई पंचायत में 6, बिलंदपुर में नौ, बैकुंठपुर में छः जन्म प्रमाण पत्र का वितरण मौके पर उपस्थित पदाधिकारी एवं कर्मियों द्वारा किया गया। मौके पर सभी पंचायत के पंचायत कर्मी, पदाधिकारी, कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों में बीडियो सौरभ कुमार बरनवाल, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी निहारिका, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी सुधि रंजन प्रसाद सिन्हा, कुणाल कुमार, बेबी देवी ,अमरेश सिंह, अजीत कुमार, मंजेलाल राय, संजय राम, नीलम भारती, राजीव रंजन, संजय राम, राजू कुमार, दिलीप कुमार आदि शामिल है।

भीम समग्र सेवा अभियान के अंतर्गत शिविर का आयोजन

बीएनएम/हाजीपुर

भीम समग्र सेवा अभियान के तहत अनुसूचित जाति एवं जनजाति टोला विशेष विकास शिविर सरकार आपके द्वार हर टोला हर परिवार हर सेवा का आयोजन गौसपुर इजरा पंचायत के रविदास टोला के रविन्द्र राम के दरवाजे पर किया गया। इस विशेष शिविर में पंचायत के विकास मित्र वीरेंद्र नाथ ने सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में लोगों को बतलाए जिसके अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं जनजाति परिवारों को राशन कार्ड, खाद्यान्न वितरण, उज्जवल योजना, विद्यालय में नामांकन के लिए प्रेरित करने इसके अलावा आंगनवाड़ी केंद्र एवं पोषण योजनाएं, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, आधारकार्ड का निर्माण एवं अपडेट, कुशल युवा कार्यक्रम, मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना, ई श्रम पोर्टल पंजीकरण, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, बास्किट पर्चा, समाजिक सुरक्षा योजना, मनरेगा जॉब कार्ड सहित कई सेवाएं के बारे में लोगों को जागरूक किए एवं कई योजनाओं में लोगों को ऑन स्पॉट कार्य का निस्पादन करवाएं जिसमें नौ लोगों को जन्म प्रमाण पत्र दिया गया वही सत्रह राशन कार्ड का आवेदन लिया गया, तीन आधार कार्ड निर्माण, इक्कीस ई श्रम कार्ड, आठ आयुष्मान भारत कार्ड, दो बंदोबस्ती, एक समाजिक सुरक्षा, बारह हर घर नल योजना, सत्ताईस जॉब कार्ड एवं इकतालीस स्वच्छ भारत मिशन का आवेदन लिया गया।वहीं पुनः अगले शिविर में अधिक से अधिक लोगों को इस शिविर का लाभ लेने की बात बतलाएं। इस शिविर में सुधाकर सिंह शिविर प्रभारी , पंचायत सचिव राज नारायण सिंह, राजस्व कर्मचारी रणजीत कुमार, प्रतिनियुक्त विकास मित्र सुमन कुमारी, संजू कुमारी, डाटा एंट्री ऑपरेटर सतीश कुमार, ए एन एम मुन्नी देवी, आरडब्लूडी के ओम प्रकाश, अभिमन्यु कुमार कर्मी वहीं मुखिया शिवशंकर राय, वार्ड सदस्य राहुल कुमार, परमेश्वर पासवान, मदन ठाकुर की उपस्थिति रही।

डॉ. आंबेडकर समग्र सेवा अभियान की सफलता को लेकर विकास मित्रों का हुआ उन्मुखी कार्यक्रम

बीएनएम/हाजीपुर

- डॉ.आंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत 137 टोला में विकास शिविर आयोजित।

डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत पूरे जिला में आज 137 टोले में विशेष विकास शिविर आयोजित किए गए।अनुसूचित जाति एवं जनजाति टोलो में आयोजित हो रहे विशेष शिविर में सरकार की विभिन्न योजनाओं से अभी तक वंचित परिवारों को इसका लाभ प्रदान किया जा रहा है।इस अभियान के तहत अनुसूचित जाति एवं जनजाति टोला में विकास शिविरों के माध्यम से सरकार की 22 प्रमुख योजनाओं सहित अन्य योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचाया जा रहा है।प्रत्येक प्रखंड के आधे पंचायत के में बुधवार एवं शेष पंचायत के सभी टोला में शनिवार को शिविर का आयोजन किया जा रहा है।यह अभियान सरकार आपके द्वार, हर टोला हर परिवार हर सेवा की अवधारणा को मूर्त रूप दे रहा है। इसमें लाभार्थियों को बिना किसी बाधा के योजनाओं से आच्छादित करने हेतु सरकारी मशीनरी उनके टोले तक सक्रिय रूप से पहुंच रही है।इस अभियान के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं जनजाति परिवारों को राशन कार्ड, खाद्यान्न वितरण, उज्ज्वला योजना, विद्यालयों में नामांकन, आंगनबाड़ी केंद्र एवं पोषण योजनाएं, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड का निर्माण एवं अपडेट, कुशल युवा कार्यक्रम, मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना, ई श्रम पोर्टल पंजीकरण, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, वासगीत पर्चा, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, मनरेगा जॉब कार्ड सहित कई सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। जो परिवार और उनके सदस्य किसी सेवा के पात्र हैं, लेकिन उन्हें इसका लाभ अभी तक नहीं मिला है, उन्हें योजना का लाभ प्रदान कराया जा रहा है।आज भगवानपुर प्रखंड के 10, बिदुपुर प्रखंड के 12, चेहराकला प्रखंड के 6, देसरी प्रखंड के 3, गोरौल प्रखंड के 6 , हाजीपुर प्रखंड के 12, जंदाहा प्रखंड के 10, लालगंज प्रखंड के 11, महनार प्रखंड के 7, पटेढ़ी बेलसर प्रखंड के 4 , राघोपुर प्रखंड के 10, महुआ प्रखंड के 12, पातेपुर प्रखंड के 15, राजापाकर प्रखंड के 6, वैशाली प्रखंड के 8 तथा सहदेई बुजुर्ग प्रखंड के 5 टोला यानि जिला में कुल 137 टोला में विकास शिविर आयोजित किए गए।इसमें प्रखंड स्तरीय से लेकर जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

संक्षिप्त समाचार

हरसिद्धि में वाहन जांच अभियान के दौरान चार बोलेरो जब्त, दो चालक गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मटीयारियां चौक के पास शुक्रवार को चलाए गए वाहन जांच अभियान में पुलिस ने चार बोलेरो गाड़ियों को जब्त कर लिया। इस दौरान दो चालकों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने जानकारी दी कि यह जांच अभियान अपर थानाध्यक्ष मनीष राज, पुलिस अवर निरीक्षक राजीव रंजन और अन्य पुलिसकर्मियों की टीम द्वारा चलाया गया। जांच के दौरान मटियरीया और मानिकपुर क्षेत्रों से एक-एक कर चार बोलेरो गाड़ियों को रोका गया। गाड़ियों के कागजात मांगने पर चालकों ने बहाना बनाते हुए कहा कि दस्तावेज घर पर हैं। पुलिस को संदेह होने पर सभी गाड़ियों को जब्त कर थाने लाया गया। कागजातों की जांच में गड़बड़ी पाए जाने पर भोला दास (पिताः उमेश दास) और दशरथ दास (पिताः राजेश्वर दास) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

विकास की नई राह पर अग्रसर है मोतिहारी नगर निगमः प्रीति गुप्ता

बीएनएम। मोतीझील। नगर निगम क्षेत्र का एक ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर जलाशय है, जो अब विकास की नई राह पर अग्रसर है। नमामि गंगे परियोजना, अमृत 2.0 योजना और नगर निगम मोतिहारी एवं स्थानीय प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से मोतीझील क्षेत्र में व्यापक विकास कार्य प्रारंभ किए गए हैं। शनिवार को नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत मोतीझील का निरीक्षण किया गया, जहाँ कई बड़ी परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है। नमामि गंगे परियोजना के तहत 149 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कराया जायेगा। इसका उद्देश्य झील में गंदे जल के प्रवाह को रोककर इसे स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाना है। इसी कड़ी में अमृत 2.0 योजना के तहत करीब 400 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिनमें मोतिहारी शहर में पेयजल आपूर्ति, सीवरेज नेटवर्क और शहरी संरचना के विकास कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं से न सिर्फ स्थानीय लोगों को बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि मोतिहारी शहर का समग्र विकास भी सुनिश्चित होगा। सबसे उल्लेखनीय कार्य है 23 करोड़ रुपये की लागत से मोतीझील के सौंदर्यीकरण, जीर्णोद्धार एवं निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इसके अंतर्गत झील के किनारे पथ वे निर्माण, पार्क, घाट, वॉकिंग ट्रैक, लाइटिंग, बोटिंग स्टेशन और अन्य सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, जिससे यह क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से भी आकर्षण का केंद्र बने। इन सभी योजनाओं का मुख्य उद्देश्य मोतीझील को न केवल एक जल स्रोत के रूप में संरक्षित करना है, बल्कि इसे एक आधुनिक, स्वच्छ और रमणीय स्थल के रूप में विकसित करना है, जहाँ पर्यटक, स्थानीय नागरिक और बच्चे प्रकृति के करीब आ सकें।

जीविका ने महिला संवाद कार्यक्रम किया आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के कोटवा प्रखंड स्थित बरहरवा कला पूर्वी के सरस्वती जीविका ग्राम संगठन में महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक गणेश पासवान, प्रबंधक मानव संसाधन, सौरभ कुमार , बीपीएम जीविका अंशिका आर्य सहित अन्य पदाधिकारी ने भाग लिया। इसमें भाग ले रहे सभी प्रतिभागियों से संवाद स्थापित करते हुए योजनाओं से लाभान्वित लाभुकों द्वारा अपना अनुभव साझा किया गया एवं उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा सरकारी योजनाओं से जुड़ाव हेतु सुझाव एवं अपनी समस्याओं को भी बताया गया । जिला परियोजना प्रबंधक जीविका गणेश पासवान द्वारा यह बताया गया कि जिले के सभी प्रखंडों में ग्रामीण क्षेत्रों में महिला संवाद कार्यक्रम चल रहा है जिसमें सभी महिलाएं बढ़ चढ़ कर भाग लें एवं अपनी बातों को रखें। जिला परियोजना प्रबंधक गणेश पासवान द्वारा बताया गया कि पूर्वी चंपारण के सभी प्रखंडों में सुबह में 28 जीविका ग्राम संगठनों द्वार एवं शाम में पुनः 28 ग्राम संगठन पूरे जिले में प्रतिदिन 56 संवाद आयोजित की रही हैं।

अवैध हथियार का प्रदर्शन करने वाले तीन युवक पुलिस के हत्थे चढ़े

बीएनएम। अरेराज/गोविंदगंज। स्थानीय पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन ऐसे युवकों को गिरफ्तार किया है जो सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों का प्रदर्शन कर रहे थे। प्रभारी थानाध्यक्ष वीरेंद्र पासवान ने बताया कि स्थानिक ग्रामीणों से सूचना मिलने के तुरंत बाद यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान नीतीश कुमार (पिता गोरख राम), साहेब कुमार (पिता उपेंद्र राम), और मुकेश पासवान (पिता संभु पासवान) के रूप में हुई है। तीनों युवक एक ही गाँव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। प्रभारी थानाध्यक्ष पासवान ने आगे जानकारी दी कि चंदन राम नामक युवक के फेसबुक स्टेटस पर हथियार के साथ एक तस्वीर पोस्ट की गई थी, जिसके बाद पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए तीनों को धर दबोचा। वहीं, थाना अध्यक्ष ने इस बात की पुष्टि की है कि बरामद हथियार चिड़िया मारने वाला हथियार है। पुलिस फिलहाल इस मामले की आगे की जांच कर रही है।

जानलेवा हमले के बाद बोलोरो छोड़ कर भागे थे हमलावर, पुलिस ने जप्ती के बदले छोड़ दिया बोलेरो

बीएनएम। मोतिहारीः सागर सूरज

घोगराहा बैरिया पंचायत के वार्ड संख्या 4 में गुरुवार रात करीब 8 बजे मिठाई लाल साहनी पर जानलेवा हमला हुआ। वह दरवाजे पर बैठे थे। तभी दस से बारह हमलावर मोटरसाइकिल और बोलेरो (नंबर BR 05 PA 7507) से पहुंचे। लाठी, डंडा और फरसे से हमला कर दिया। ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद हमलावर बोलेरो छोड़ कर भाग खड़े हुए। इधर गंभीर रुप से घायल मिठाई लाल साहनी एवं उनके परिजन मोतिहारी सदर अस्पताल में गई, उधर थाने की महिला पुलिस शिखा कुमारी युक्त बोलेरो को लेकर थाने गई वहां से बिना मामले की गंभीरता को समझे गाड़ी को हमलावरों के हवाले कर दिया गया। इधर मिठाई लाल जो स्वर्गीय गोपाल साहनी के पुत्र हैं। उन्होंने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि सोनबरसा निवासी राजुन साहनी और हीरो साहनी (दोनों पिता पन्नालाल साहनी) करीब दस बारह लोगों के साथ आए थे। राजुन ने गंडासा से उनके माथे पर वार किया। पत्नी बचाने आईं तो हीरो साहनी ने तलवार से हमला कर दिया। उनके हाथ में चोट आई और वह गिर पड़ीं। हमलावरों ने मिठाई लाल के घर से 60 हजार रुपये लूट लिए। जाते समय धमकी दी कि अगर एक लाख रुपये अगले दिन तक नहीं दिए, तो जान से मार देंगे। शोरगुल सुनकर ग्रामीण जुटे तो हमलावर बोलेरो छोड़कर भाग निकले। मिठाई लाल ने बॉर्डर न्यूज मिरर से बात करते हुए बताया कि हमला के बाद ग्रामीणों के हल्ला करने पर सभी हमलावर गाड़ी छोड़ कर भाग खड़े हुए जिसे पुलिस थाने ले गई और एक मोटी रकम ले कर गाड़ी छोड़ दी। पक्ष लेने का जब प्रयास किया गया तो थानाध्यक्ष का सरकारी नंबर स्विच ऑफ बता रहा है वही अपर थानाध्यक्ष मनीष राज ने कहा मामले की अभी तक कोई जानकारी नहीं है पता करता हूं।

एमएस कॉलेज में स्नातक तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा रही शांतिपूर्ण

बीएनएम। मोतिहारी

बी.आर.ए बिहार विश्वविद्यालय, मुज़फ्फरपुर के तत्वावधान में स्नातक (सी. बी.सी.एस) तृतीय सेमेस्टर, सत्र -2023-27 की परीक्षा दिनांक- 03 अप्रैल से प्रारंभ है। दिनांक -19/04/2025 को परीक्षा के दसवें दिन मुंशी सिंह महाविद्यालय, परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली और दूसरी पाली में 'क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम'(एईसी) विषय की परीक्षा हुई। पहली पाली में उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या-1443 रही। वहीं दूसरी पाली में उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 992 रही। परीक्षा कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न हुई। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय के सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ. मनोहर कुमार श्रीवास्तव के हवाले से मुंशी सिंह महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी है।

बारात से लौट रही गाड़ी नहर में पलटी,पांच घायल,एक गंभीर

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के रक्सौल थाना क्षेत्र के नोनियाडीह गांव के समीप बारात से लौट रही एक गाड़ी नहर में पलट गयी।मिली जानकारी के अनुसार नोनियाडीह पंचायत के श्रीरामपुर गांव में राजकिशोर साह की पुत्री की शादी के बाद बारात लौट रही थी। इसी दौरान एक चार पहिया वाहन, जिसमें बाराती सवार थे, वह नहर कैनाल रोड के तीखे मोड़ पर अनियंत्रित होकर नहर में पलट गई।हादसे में पांच लोग घायल बताए गए है।सभी घायलो को स्थानीय लोगों की मदद से नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में एक व्यक्ति की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जिसे विशेष निगरानी में रखा गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार जिस जगह हादसा हुआ वहां सड़क काफी संकरी और मोड़ बेहद तीखा है, जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ गया। गनीमत यह रही कि नहर में पानी नहीं था, अन्यथा जानमाल का बड़ा नुकसान हो सकता था।दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य में जुट गए। उन्होंने घायलों को तत्काल वाहन से निकालकर इलाज के लिए भेजा। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क की मरम्मत और मोड़ पर संकेत बोर्ड लगाने की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

प.बंगाल में हिन्दुओ पर हमले के विरोध में विहिप ने निकाला प्रतिरोध मार्च,दिया धरना

बीएनएम। मोतिहारी

विश्व हिन्दू परिषद-बजरंगदल ने राष्ट्र व्यापी विरोध प्रदर्शन के तहत पश्चिम बंगाल मे हो रहे हिन्दुओं पर लगातार हमले के विरोध मे शनिवार को मोतिहारी नगर भवन मैदान से प्रतिरोध मार्च निकाला। जो नगर थाना,हॉस्पिटल चौक राजाबाजार होते हुए कचहरी चौक पर जाकर धरना में तब्दील हो गया। धरना पर धर्म सभा का आयोजन किया गया। जिसके बाद विहिप का प्रतिनिधि मंडल बिहार झारखंड के विधि प्रकोष्ठ प्रमुख अशोक श्रीवास्तव अधिवक्ता के नेतृत्व में राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन डीएम की अनुपस्थिति मे एसडीओ सदर को सौंपा। प्रतिनिधिमंडल मे जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार सिंह जिला उपाध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव जिला मंत्री मुन्ना तिवारी और रक्सौल अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह शामिल थे। जबकि मार्च का नेतृत्व विहिप जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार सिंह संतोष श्रीवास्तव और जिला मंत्री मुन्ना तिवारी कर रहे थे वहीं धरना का संचालन जिला सेवा प्रमुख हेमन्त कुमार व जिला संयोजक रूपेश दूबे ने किया। धरना सम्बोधित करते हुए विहिप नेता अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि वक्फ बोर्ड अधिनियम संशोधन के आड मे देश को अशांत करने का काम जेहादी कर रहे है पश्चिम बंगाल मे यह प्रयोग हो रहा है प्रति दिन हिन्दुओ की हत्याए हो रही है बेटी बहनो के साथ बलात्कार हो रहा है हिन्दुओ के घरो मे आग लगाया जा रहा है मठ मंदिर तोडे जा रहे है लेकिन ममता सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। अब पश्चिम बंगाल को भी कश्मीर बनाने की साजिश हो रहा है।अन्य वक्ताओ ने केन्द्र सरकार से बंगाल में अविलब राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की।

बीएड की परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में हुई आरंभ

» मोतिहारी डिग्री ईवनिंग कॉलेज में बी.एड की हो रही है परीक्षा

बीएनएम। मोतिहारी

शनिवार को शहर के बनकट स्थित मोतिहारी डिग्री ईवनिंग कॉलेज में (सत्र- 2024-2026) बी.एड प्रथम वर्ष की परीक्षार्थियों की परीक्षा कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण माहौल में आरंभ हो गई। शनिवार को यहां आवंटित परीक्षार्थियों की कुल संख्या- 700 में उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 693 रही और अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या-07 रही। निष्कासित परीक्षार्थियों की कुल संख्या शून्य रही। यहां पांच बी.एड कॉलेज जिसमें एलएनडी कॉलेज, एसएनएस बीएड कॉलेज, राधा कृष्ण सीकरीया एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, डॉ. एसपी सिंह कॉलेज, एसएम सोएब बीएड कॉलेज के परीक्षार्थियों की परीक्षा केंद्र निर्धारित किया गया है। शनिवार को चाइल्डहुड एण्ड ग्रोइंग अप की परीक्षा ली गयी। केंद्राधीक्षक-सह-प्राचार्य डॉ. कुमार काशवेन्द्र ने बताया कि 21 अप्रैल, सोमवार को प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष कि परीक्षार्थियों की परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रथम वर्ष बीएड के परीक्षार्थियों की परीक्षा कंटेंपरेरी इंडिया एण्ड एजुकेशन (पूर्वाह्न 09:00 बजे से 12:00 अपराह्न) तक होगी। वहीं बीएड द्वितीय वर्ष (सत्र- 2023-2025) के परीक्षार्थियों की परीक्षा पेडोगोरी ऑफ़ ए स्कूल सब्जेक्ट पार्ट- सेकंड (अपराह्न 2:00 से 5:00 बजे) तक परीक्षा होगी। मौके पर परीक्षा नियंत्रक प्रकाश सिंह व डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि प्रश्नों का स्तर सहज, सुबोध व परंपरागत है। निरंतर कक्षा में उपस्थित होकर एवं घर पर अवधारणात्मक अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों का पत्र काफी अच्छा गया है। परीक्षा के उपरांत ऐसे परीक्षार्थियों के चेहरे पर खुशियां झलक रही थी। इस परीक्षा के सफल संचालन में कुमारी बबिता श्रीवास्तव, डॉ. राकेश कुमार, स्वाती कुमारी, रेखा कुमारी, डॉ. संजय कुमार, प्रेमवासा कुमारी सहित अन्य वीक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वीक्षकों ने संयुक्त रूप से बताया कि परीक्षा हॉल में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, किताब, कॉपी, गेस पेपर, पॉलिथीन, मनी बैग, लेडीज पर्स, चिट-पुर्जे, अवांछित सामग्री ले जाना सख्त वर्जित है, पाए जाने कि स्थित में उक्त सामग्री को जब्त कर परीक्षार्थी को परीक्षा से निष्कासित कर दिया जाएगा। वीक्षकों ने कहा कि कदाचार में लिप्त किसी भी कदाचारी परीक्षार्थी को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

ड्रोन की मदद से उत्पाद विभाग ने पकड़ी 100 लीटर अवैध शराब, तस्कर फरार

बीएनएम। मोतिहारी/अरेराज

उत्पाद विभाग ने आज कोइरगावा चंवर में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। सहायक अवर निरीक्षक (A.S.I) उत्पल कुमार के नेतृत्व में विभाग की टीम ने ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल करते हुए छापेमारी की। इस औचक निरीक्षण में 100 लीटर अवैध शराब बरामद हुई, साथ ही शराब तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक बाइक को भी जब्त किया गया है। हालांकि, इस कार्रवाई के दौरान आरोपी मौके से भागने में सफल रहा। उत्पाद विभाग अब फरार तस्कर की सरगर्मी से तलाश कर रहा है। ड्रोन के माध्यम से की गई इस सफल छापेमारी ने अवैध शराब के कारोबार में लिप्त लोगों के बीच खलबली मचा दी है। इंस्पेक्टर सह थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार ने इस उपलब्धि की जानकारी दी और बताया कि विभाग जल्द ही फरार आरोपी को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। यह पहली बार है जब अरेराज उत्पाद विभाग ने ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल कर इतनी बड़ी सफलता हासिल की है।

सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शनिवार को जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटना की ओर से एक विशेष सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 120 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने किया। इस अवसर पर एडीएम, सिविल सर्जन, एसीएमओ, डॉ. अजय कुमार सिन्हा, डॉ. अशुतोष शरण, डॉ. सौरभ, ओएसडी टू डीएम अमरेश समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने हृदय रोग से अचानक पीड़ित व्यक्ति को आपातकालीन स्थिति में जीवन रक्षक तकनीक सीपीआर (सीपीआर) देने के सही तरीके पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने हाथों से सीपीआर देने की विधि को सीखा और समझा कि कैसे समय रहते उचित हस्तक्षेप किसी की जान बचाई जा सकती है। डीएम सौरभ जोरवाल ने अपने संबोधन में कहा कि, "सीपीआर एक ऐसी जीवन रक्षक तकनीक है, जिसे हर व्यक्ति को सीखना चाहिए। आपातकालीन स्थिति में यह कौशल किसी की जान बचाने में निर्णायक साबित हो सकता है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम समाज में स्वास्थ्य सुरक्षा को बढ़ाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।" कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों और आम जनता को सीपीआर की तकनीक सिखाकर उन्हें आपातकालीन स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाना था। जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की टीम ने प्रशिक्षण के दौरान वास्तविक जीवन पर आधारित उदाहरण भी साझा किए, जिससे प्रतिभागियों को गहन जानकारी मिली। जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटना निरंतर ऐसे सामाजिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों में जीवन रक्षक तकनीकों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोटवा दीपऊ कट को ओवरब्रिज बनने तक चालू रखने की मांग तेज, प्रतिनिधिमंडल ने डीएम से की मुलाकात

बीएनएम। मोतिहारी

एनएच-27 स्थित कोटवा दीपऊ कट को तत्काल प्रभाव से चालू रखने की मांग को लेकर शुक्रवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए आग्रह किया कि जब तक ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो जाता, तब तक इस मार्ग को चालू रखा जाए, ताकि आमजन और किसानों को परेशानी न हो। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि यह कट वर्षों से सैकड़ों गांवों के लोगों के लिए मुख्य संपर्क मार्ग का कार्य करता आ रहा है। इसके बंद होने से न सिर्फ किसानों की गन्ना ढुलाई पर असर पड़ेगा, बल्कि बौद्ध स्तूप केसरिया, रामायण सर्किट, सोमेश्वरनाथ धाम अरेराज सहित अनेक धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक पहुंच भी बाधित होगी। साथ ही कोटवा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कृषि भवन, पशुपालन अस्पताल, अंचल कार्यालय, थाना, हाई स्कूल व अन्य संस्थानों से लोगों का संपर्क टूट जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि दीपऊ कट से होकर प्रतिदिन सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। यह मार्ग मोतिहारी से कोटवा की दूरी को लगभग 6 किलोमीटर तक कम कर देता है। पिपराकोठी-भोपतपुर हाईवे के माध्यम से लोग मोतिहारी डीएवी स्कूल, शंकर सरैया होते हुए कोटवा बाजार तक आसानी से पहुंचते हैं। इस मुद्दे को लेकर विधायक मनोज कुमार यादव ने भी दिशा की बैठक में लिखित रूप से समर्थन जताया है। साथ ही, दूरभाष पर संबंधित अधिकारियों को स्मरण भी कराया गया था। इस संबंध में गठबंधन पूर्वी चंपारण की 15 अप्रैल 2025 को हुई बैठक में निर्णय लिया गया था कि जिलाधिकारी को वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए एक मांग पत्र सौंपा जाएगा। यह जानकारी राष्ट्रीय जनता दल के मीडिया प्रभारी जावेद अहमद ने दी।

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...
बॉर्डर न्यूज मिरर
तिरहुत मिरर
पटना, रविवार
20 अप्रैल,2025

संक्षिप्त समाचार

राजद के मंसूबों पर कांग्रेस ने फेरा पानीः मंगल पांडेय

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय

बीएनएम। पटनाः स्वास्थ्य और विधि मंत्री मंगल पांडेय ने विपक्षी गठबंधन इंडिया एलायंस में तेजस्वी यादव की भूमिका को लेकर कहा है कि कांग्रेस ने तेजस्वी यादव को इंडिया एलायंस की बिहार स्टेट कोऑर्डिनेशन कमिटी का संयोजक बनाकर राजद के मुख्यमंत्री पद की महत्वाकांक्षा पर पानी फेर दिया है। यह फैसला कांग्रेस की सियासी समझदारी को दर्शाता है, जो "जंगलराज" की छवि से दूरी बनाकर अपनी सियासी जमीन बचाना चाहती है।मंगल पांडेय ने कहा कि कांग्रेस जानती है कि अगर वह तेजस्वी यादव जैसे नेता को खुले समर्थन में आगे करती है, तो बिहार में उसका राजनीतिक अस्तित्व और कमजोर हो जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राजद और कांग्रेस दोनों की मंशा केवल भ्रष्टाचार, अराजकता और वंशवाद को बढ़ावा देने की है।एनडीए की उपलब्धियों पर बोलते हुए पांडेय ने कहा कि बिहार की जनता पूरी तरह से एनडीए के साथ है। डबल इंजन की सरकार ने राज्य में कानून का राज, न्याय के साथ विकास और सुशासन की मजबूत नींव रखी है। उन्होंने कहा कि बिहार अब विकास के पथ पर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और जिम्मेदार मतदाता किसी भी कीमत पर राज्य को फिर से अराजकता के हवाले नहीं करेंगे।पांडेय ने भरोसा जताया कि आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए को प्रचंड बहुमत मिलेगा और एक बार फिर बिहार में स्थिर और विकासशील सरकार बनेगी।

जो वादा किया उसे पूरा करते आ रहा हूं : विधायक

बीएनएम। जमुई/झाझा। धमना गांव स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, धमना में शनिवार को तीन कमरे का अतिरिक्त वर्ग कक्ष का शिलान्यास झाझा विधानसभा क्षेत्र के विधायक दामोदर रावत के द्वारा फीता काटकर किया गया। विधायक ने कहा कि हमने अपने क्षेत्र में जो वादा किया उसे पूरा करते आ रहा हूं और आगे भी लोगों की समस्या को दूर करते रहूंगा।विधायक ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का स्तर बिहार में मजबूती की स्थिति में है। सीएम नीतीश कुमार के द्वारा बिहार की कमान जब से सम्भाला तब से उनकी पहली प्राथमिकता बिहार में शिक्षा के स्तर को मजबूत करना था और उसी कड़ी में आज बिहार शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ते जा रहा है।उन्होंने कहा कि इस विद्यालय में कमरे की कमी की जानकारी मिली तो इस दिशा में पहल करने का वादा किया और आज उन वादों को पूरा करते हुए विद्यालय और छात्र छात्राओं की समस्या को दूर किया। सरकार ने छात्र छात्राओं के बीच शिक्षा से जुड़कर अच्छे मुकाम हासिल कर सके इसके लिए कई योजनाओं को भी लाया है जिसका लाभ लोगों को मिल रहा है। हर पंचायत में प्राथमिक विद्यालय से लेकर उच्च विद्यालय बनाया गया है ताकि पंचायत के छात्र छात्राओं को हाई स्कूल के लिए कहीं दूर नही जाना पड़े। उन्होंने अभिभावकों से अपील किया कि अपने बच्चों को शिक्षा से वंचित न करे और प्रत्येक दिन विद्यालय में बच्चों को भेजे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू नेता डॉ. राजेंद्र रावत ने किया। मौके पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष राकेश दास, विवेकानंद सिंह, गुंजन कुमार , शशि पासवान, मोहन पासवान, दिनेश मंडल सहित कई लोग मौजूद थे।

सहरसा में सड़क हादसे में मासूम बच्ची की मौत

बीएनएम। सहरसा। बलवाहाट थाना क्षेत्र के बलही वार्ड-1 में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 8 साल की बच्ची छोटी कुमारी की मौत हो गई। मृतका मजदूर लालो चौधरी की तीसरी संतान थी और गांव के बलही तेघड़ा मध्य विद्यालय में पहली कक्षा की छात्रा थी।घटना उस समय हुई जब छोटी दुकान से कुरकुरे खरीदकर अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोपी बाइक सवार हादसे के बाद मौके से फरार हो गया।घायल बच्ची को आनन-फानन में सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजन उसे शहर के एक निजी क्लिनिक ले गए, लेकिन इलाज के दौरान ही उसकी मौत हो गई।मासूम की मौत से गांव में शोक की लहर है। परिजन और ग्रामीणों का रो-रोकर बुरा हाल है। छोटी के दादा बिसो चौधरी ने बताया कि वह उनकी सबसे लाडली पोती थी और हमेशा सबको खुश रखती थी।घटना की सूचना मिलते ही बलवाहाट थानाध्यक्ष मनीष कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस अज्ञात बाइक सवार की तलाश में जुटी है।यह हादसा एक बार फिर से सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की जरूरत को उजागर करता है।

मॉक ड्रिल के माध्यम से आग से निपटने के बताए गए टिप्स

बीएनएम। शिवहर। आपदा प्रबंधन प्रशाखा द्वारा समाहरणालय परिसर में आग से बचाव हेतु अग्नि सुरक्षा सप्ताह का आयोजन जिला पदाधिकारी की उपस्थिति में किया गया। अग्नि सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत आग के दौरान एवं आग के बाद क्या करें क्या न करें, से संबंधित जानकारी अग्निशमन की टीम द्वारा मॉक ड्रिल के माध्यम से दी गई। मॉक ड्रिल के माध्यम से अग्शिमन टीम जानकारी दी गई कि आग लगने पर सबसे पहले क्या करें एवं क्या न करें तथा इससे बचाव को लेकर सभी उपस्थित अधिकारी, कर्मियों एवं आमजनों को जागरूक किया गया। सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी, शिवहर सुश्री श्वेता सुमन ने बताया कि आग लगने से रोका नहीं जा सकता है, परंतु इससे निपटने की पूर्व तैयारी एवं जागरूकता से इसके कारण होने वाली जान-माल की क्षति को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस मौके पर डीडीसी , अपर समाहर्त्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, निदेशक, डीआरडीए, प्रभारी पदाधिकारी, जिला उर्दू भाषा, कोषांग, वरीय उप समाहर्त्ता, सुश्री दीक्षा भगत, एवं वरीय उप समाहर्त्ता-सह-जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अनुराग कुमार तथा समाहरणालय के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

विशेष शिविर में 408 लोगों की हुआ स्वास्थ्य जांच

बीएनएम। जमुई /झाझा। समाहरणालय जमुई कल्याण शाखा के आदेशानुसार शनिवार से सूक्ष्म कार्ययोजना अनुसार सभी अनुसूचित जाति, जनजाति क्षेत्र में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर प्रांरम्भ किया गया। पहले दिन प्रखंड क्षेत्र दस पंचायत जिसमे कानन, कनोदी, धमना, चांय, छापा, बाराजोर, बोड़वा, बैजला, बलियाडीह और हथिया पंचायत में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में सीएचओ, एएनएम, आशा, ममता अनिवार्य रूप से मौजूद रही।शिविर में क्षेत्र के सभी अनुसूचित जाति/ जनजाति का स्वास्थ्य जांच, अनुसूचित जाति/ जनजाति के महिलाओं व बच्चों का एएनसी जांच एवं टीकाकरण, अनुसूचित जाति/ जनजाति के लोगों का आयुष्मान कार्ड व आभाकार्ड का निर्माण, अनुसूचित जाति/ जनजाति लाभुकों का स्किल एनीमिया की जांच हुई। एससी एसटी विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर के बारे में जानकारी देते हुए रेफरल अस्पताल में कार्यरत काउंसलर राहुल कुमार जिन्हें नोडल पदाधिकारी शिविर को बनाया गया है उन्होंने बताया कि दस पंचायत में लगे विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 408 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया इसके अलावे 32 लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया।

दुर्घटना में चालक का टूटा पैर

बीएनएम। नौतन। नौतन थाना के समीप मच्छरगांवा,जगदीशपुर मुख्य पथ स्थित परसौनी सड़क के किनारे पहले से लगी हुई ट्रक में अनियंत्रित ट्रक ड्राइवर ने पीछे से जाकर मारा जोरदार टक्कर, 11000 हाई वोल्टेज तार एवं ट्रांसफार्मर में स्पर्श होने से बची बाल बाल। वही ग्रामीणों ने बताया कि पहले से एक ट्रक रोड के किनारे लगा हुआ था तब ही एक जगदीशपुर के तरफ से आ रही ट्रक ड्राइवर ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिसमें ट्रक ड्राइवर का पैर टूट गया है।मौके पर पहुंची नौतन थाना के पुलिस ने मामले की जांच में जुट गई है।

अलग-अलग सड़क दुर्घटना में महिला समेत दो की मौत

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के चकिया थाना क्षेत्र में दो अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक महिला सहित दो व्यक्ति की मौत हो गयी जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पहली घटना थाना क्षेत्र के चकिया केसरिया पथ पर शीतलपुर पेट्रोल पंप के निकट की है।जहां पर अनियंत्रित बाइक की ठोकर से एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक कल्याणपुर थाना क्षेत्र के सिसवा बसंत गांव निवासी 55 वर्षीय मौजेलाल यादव पिता बालेश्वर यादव बताया जाता है। घटना के बाद सुचना पर पुलिस ने पहुंचकर मौजीलाल यादव को अनुमण्डलीय अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया, जहां मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना में बाइक चालक की भी घायल होने की बात बतायी जा रही है। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया। वही मृतक के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। इधर घटना की सुचना मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे विधवा पत्नी तीन पुत्री व एक छोटे पुत्र को छोड़ गए। मृतक के परिजनों का रोते रोते बुरा हाल है। वही दूसरी घटना एनएच के तरनिया गांव के समीप की है। जहां एक लापरवाह ट्रक चालक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे एक महिला की दर्दनाक मौत हो गयी। जबकि बाइक चला रहे मृतक महिला का देवर गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक महिला शिवहर जिला के थाना श्यामपुर भटहा गांव निवासी काजल कुमारी बतायी गयी है। जबकि मृतक महिला का देवर लालू कुमार यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल लालू कुमार यादव का एक निजी नर्सिंगहोम में ईलाज चल रहा है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाइक को जब्त कर मृतक महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेजा है।

महिला संवाद कार्यक्रम में राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की दी गई जानकारी

बीएनएम। केसरिया

प्रखण्ड क्षेत्र के पश्चिमी सुंदरापुर पंचायत में शनिवार को शनिदेव ग्राम संगठन के द्वारा जीविका व गैर जीविका दीदियों का महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें राज्य सरकार द्वारा महिला केंद्रित योजनाओं के बारे में वीडियो के माध्यम से दिखाया गया। इस दौरान प्रखंड परियोजना प्रबंधक मो साहेब द्वारा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया गया। साथ हीं विभिन्न संचालित व क्रियान्वित योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। उपस्थित दीदियों से उनकी आकांक्षाओं व मंतव्य का संकलन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रभावशाली, समावेशी एवं सहभागी सुशासन के लिए महिलाओं एवं सामुदायिक संस्थानों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इधर, शिवम जीविका महिला ग्राम संगठन ताजपुर पटखौलिया के द्वारा लाला छपरा ओझवलिया में भी महिला संवाद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सामुदायिक समन्वयक विजय कुमार, रोहित रंजन, राकेश कुमार, सरिता देवी, रंजीत कुमार, बुद्धिप्रिय प्रशांत सहित अन्य मौजूद थे।

धूमधाम से मनाई गई महात्मा हंसराज की जयंती

बीएनएम। लखीसराय

शहर के डीएवी पब्लिक स्कूल में शनिवार को महात्मा हंसराज जयंती समारोह बड़े ही धूमधाम एवं श्रद्धा भाव से मनाया गया। इस अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा एवं विशेष हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें महात्मा हंसराज के चित्र पर समस्त शिक्षकों, कर्मियों एवं सभी कक्षाओं के कक्षा प्रमुख छात्र-छात्राओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर छात्राएँ शांभवी कुमारी, कौशिकी कुमारी ,मोना बांका, अनम, कुमुद, आर्यन कुमार,हर्ष कुमारी, श्रेया सुमन , प्रेरणा कुमारी, रियान पटेल ,कीर्ति कुमारी ,आराध्या कुमारी यशिका ,स्वीटी कुमारी ने शिक्षक दिलीप राय एवं हिमांशु चौधरी के संयोजन में "दयानंद से दया मिली और हंसराज ने ज्ञान दिया" भजन की सुमधुर प्रस्तुति की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वरीय शिक्षक निहार रंजन नायक ने कहा कि महात्मा हंसराज महान तपस्वी, आदर्श शिक्षक, विद्वान शिक्षाविद एवं आर्य समाज के सजग प्रहरी थे। उन्हीं का श्रेय है कि डीएवी स्कूल देश एवं विदेशों में विभिन्न क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। कार्यक्रम को शिक्षक विमलेश पाण्डेय, नमिता आनंद, ने भी संबोधित किया। प्रार्थना सभा के पश्चात सभी छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में संस्कृत शिक्षक पवित्र दास ने हवन यज्ञ आयोजित किया। जिसमें कई शिक्षक उपस्थित रहे। यज्ञ की पूर्ति के पश्चात आशीर्वचन देते हुए महात्मा हंसराज जी के पद चिन्हों पर चलते हुए आगे बढ़ने की बात कही गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिक्षक धर्मेंद्र सिंह, सुनील कुमार, डॉ.समीर कुमार पाठक, विनय ओझा, दीपक वर्मा, राहुल कुमार, वरूण सिंह, विशाल, उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन धर्मेंद्र सिंह ने किया।

आग से बचाव को लेकर एचपीसीएल बाओफ्यूल्स इकाई में किया गया मॉक ड्रील

बीएनएम। मोतिहारी

एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड के सुगौली इकाई में शनिवार को आग से बचाव को लेकर मॉक ड्रील का आयोजन किया गया। मॉक ड्रील में मोतिहारी और सुगौली के सेफ्टी यूनिट के कर्मियों ने हिस्सा लिया। टीम का नेतृत्व कर रही मोतिहारी से आयी जिला अग्निशमन अधिकारी प्रिया कुमारी ने बताया कि कल-कारखानों में सैकड़ो की संख्या में कर्मी काम करते हैं। ज्वलनशील पदार्थ अधिक रहता है। आग लगने के कई कारण होते हैं।बिजली का शॉर्ट सर्किट,बॉयलर का रिसाव और बीड़ी,सिगरेट पीकर फेंकने से आग लगने की संभावना ज्यादा रहती है। इससे बचाव को लेकर मोमबत्ती,दीया,जलती माचिस की तिल्ली जहां-तहां ना फेंके। कल-कारखाने में आग लगने की स्थिति में घबराए नहीं। तुरंत खतरे का सायरन बजा कर कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर ले जाएं। बिजली का कनेक्शन काट दें। साथ हीं सेफ्टी विभाग के लोग सावधानीपूर्वक आग पर कंट्रोल करने में लग जाए।अगर कोई व्यक्ति आग की चपेट में आ गया हो या आग से घिर गया हो तो उसे तुरंत मेडिकल सहायता उपलब्ध कराये। फायर ब्रिगेड की गाड़ी बुला ले,और आगे की स्थिति को देखते हुए जिला अग्निशमन विभाग को सुचित करें। उन्होंने बताया कि यूनिट में आपदा के समय निपटने के लिए समुचित उपकरणों की व्यवस्था रखें। और समय-समय पर उसका जांच करते रहना चाहिए।साथ हीं सम्भावित ख़तरे से निपटने के लिए समय-समय पर इस तरह का मॉक ड्रील का आयोजन करते रहे। मॉक ड्रील के समय इकाई के महाप्रबंधक विजय कुमार दीक्षित, अनुमंडल फायर अफसर सुनीति कुमारी,रंजित कुमार,सेफ्टी ऑफिसर दिवाकर पाण्डे,पियूष शरण,निर्भय सिंह शामिल रहे। साथ ही सर्च एंड रेस्क्यू टीम का नेतृत्व प्रवीण राव,सुमित कुमार,आनंद प्रकाश ने किया।मेडिकल टीम में डॉक्टर राम बालक कुमार,धीरेंद्र कुमार और शाहनवाज़ हुसैन मौजूद रहें।

रक्सौल के सिवरेज सिस्टम की समस्या को दूर करने के लिए खर्च होंगे 76 करोड : जीवेश कुमार

नगर विकास एवं आवास विभाग मंत्री ने रक्सौल पहुंच कर कई योजनाओं किया शिलान्यास व उद्घाटन

बीएनएम। मोतिहारी

नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री जीवेश कुमार शनिवार को रक्सौल पहुंचे जहां उन्होने कई योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया। इस मौके पर सांसद सह बिहार भाजपा के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर संजय जायसवाल एवं रक्सौल विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा भी मौजूद रहे। मंत्री जीवेश कुमार ने बताया कि रक्सौल के सिवरेज सिस्टम की समस्या को दूर करने के लिए 76 करोड रुपये दिये जा रहे है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि रक्सौल मे अन्य नगरीय सुविधा को पूरा किया जायेगा। उन्होंने कहा कि नगर इकाई संवैधानिक व्यवस्था में एक अलग सरकार है, नगर परिषद से जो भी अनुशंसा जाएगा, उसे मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री के नेतृत्व में किसी भी योजना के लिए पैसों की कमी नहीं है, राज्य सरकार उसे अनुमोदित कर जमीन पर उतारने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार तेजी से नगरीय सुविधा बढाने पर जोर दे रही है। 20 वर्ष पहले और आज के नगर को देखने के बाद लोग विकास का अंदाजा महसूस कर रहे है। जहां पहले कुल आबादी का 11 प्रतिशत जनसंख्या नगरों में रहती थी, वहीं अब 16 प्रतिशत जनसंख्या नगरों में निवास कर रही है, जिसे बढ़ाकर 30 प्रतिशत तक किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब से देश की बागडोर संभाला है, तब से काफी तेजी से विकास हुआ है। केंद्र सरकार के द्वारा सिवरेज सिस्टम एवं जिला पूर्ति के लिए बड़े पैमाने पर राज्यों को राशि दी गई है। यह भी कहा कि बीते दिन उन्होंने मोतिहारी का दौरा किया, जिसमें सिवरेज सिस्टम के लिए 400 करोड़ एवं जलापूर्ति के लिए 141 करोड़ की राशि स्वीकृत किया, जबकि आज रक्सौल को 76 करोड़ रुपये सीवरेज समस्या को दूर करने के लिए दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए की सरकार केवल योजना ही नहीं देती, बल्कि इन योजनाओं के द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा भी करती है।मौके पर सभापति धुरपति देवी,उपसभापति पुष्पा देवी सहित स्टैंडिंग कमेटी एवं वार्ड पार्षद मौजूद थे।

सड़क किनारे लगी हुई ट्रक पे पीछे से एक ट्रक चालक ने मारा जोरदार टक्कर

» अनियंत्रित ट्रक चालक ने ट्रक में मारा जोरदार टक्कर चालक का टूटा पर

» मौके पर पहुंची पुलिस, जांच में जुटी

बीएनएम। मोतिहारी

नौतन। नौतन थाना के समीप मच्छरगांवा, जगदीशपुर मुख्य पथ स्थित परसौनी सड़क के किनारे पहले से लगी हुई ट्रक में अनियंत्रित ट्रक ड्राइवर ने पीछे से जाकर मारा जोरदार टक्कर, 11000 हाई वोल्टेज तार एवं ट्रांसफार्मर में स्पर्श होने से बची बाल बाल। वही ग्रामीणों ने बताया कि पहले से एक ट्रक रोड के किनारे लगा हुआ था तब ही एक जगदीशपुर के तरफ से आ रही ट्रक ड्राइवर ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिसमें ट्रक ड्राइवर का पैर टूट गया है।मौके पर पहुंची नौतन थाना के पुलिस ने मामले की जांच में जुट गई है।

बिहार लौटने की तैयारी में चिराग पासवान, 2030 में निभा सकते हैं बड़ी भूमिका

बीएनएम। पटना

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने एक बड़ा राजनीतिक संकेत दिया है। चिराग ने साफ कहा है कि वह लंबे समय तक केंद्र की राजनीति में नहीं रहना चाहते, क्योंकि बिहार उन्हें बुला रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 2025 का विधानसभा चुनाव वह खुद नहीं लड़ेंगे, लेकिन 2030 के चुनाव से पहले वे पूरी तरह बिहार की राजनीति में सक्रिय हो जाएंगे।चिराग ने कहा कि मेरी राजनीति की नींव 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' पर टिकी है। मेरे पिता रामविलास पासवान केंद्र में ज्यादा सक्रिय थे, लेकिन मेरी प्राथमिकता बिहार है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि उनकी सभाओं में युवाओं की बढ़ती भागीदारी और पार्टी कार्यकर्ताओं की मांगें यह दिखाती हैं कि बिहार में उनकी भूमिका को लेकर लोगों की उम्मीदें लगातार बढ़ रही हैं।हालांकि वे अभी केंद्रीय मंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे, लेकिन यह स्पष्ट है कि उनका राजनीतिक फोकस अब धीरे-धीरे बिहार की ओर शिफ्ट हो रहा है।2025 के चुनाव को लेकर चिराग ने कहा कि एनडीए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा और पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगा।

गिरिराज चौक पर सड़क पर मिला कटा हुआ पैर, रेलवे हादसे से जुड़ी निकली घटना

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

शहर के काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गिरिराज चौक पर शुक्रवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब राहगीरों ने सड़क के बीचोंबीच एक मानव पैर पड़ा देखा। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और पूरे इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल इस विचलित कर देने वाली घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सब-इंस्पेक्टर साकेत कुमार के नेतृत्व में काजी मोहम्मदपुर थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने खुलासा किया कि यह मामला एक रेलवे दुर्घटना से जुड़ा हुआ है।

रेलवे ट्रैक पर हुआ था हादसा- पुलिस के अनुसार, अहले सुबह एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसका एक पैर कट गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायल युवक को इलाज के लिए श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसकेएमसीएच) पहुंचाया। इसी दौरान, आशंका है कि घायल को ले जा रही एंबुलेंस या अन्य वाहन से कटा हुआ पैर गिरिराज चौक के समीप गिर गया, जिसे राहगीरों ने सड़क पर पड़ा देखा।

अस्पताल में चल रहा है इलाज- सब-इंस्पेक्टर साकेत कुमार ने बताया, "घायल युवक अभी जीवित है और उसका इलाज एसकेएमसीएच में चल रहा है। बरामद किया गया पैर सुरक्षित रूप से अस्पताल भेज दिया गया है।"

व्यवस्था पर उठे सवाल- इस घटना ने न केवल लोगों को मानसिक रूप से झकझोर दिया, बल्कि चिकित्सा और आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आमजन यह पूछ रहे हैं कि इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हो गई कि एक घायल व्यक्ति का कटा हुआ अंग सड़क पर गिर गया और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और अस्पताल प्रशासन से भी जानकारी जुटाई जा रही है कि इलाज के दौरान यह लापरवाही कैसे हुई।

शांति सभी के लिए हितकर

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर जो नजारा पेश आया उसमें एक साथ कई स्थितियां झलकती हैं। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक सदस्य ने स्थगन प्रस्ताव रखा कि सारा काम रोक कर वक्फ अधिनियम पर चर्चा की जाए और इसके विरोध में उसी तरह प्रस्ताव पारित किया जाए जिस तरह तमिलनाडु विधानसभा में किया गया। एक सदस्य ने कहा कि जब 6 फीसद मुस्लिम आबादी वाला तमिलनाडु वक्फ अधिनियम के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर सकता है तो मुस्लिम बहुल आबादी वाला जम्मू-कश्मीर क्यों नहीं यानी यहां वक्फ अधिनियम का विरोध मुस्लिम दृष्टिकोण से है। जब जम्मू-कश्मीर भाजपा के विधायक इस तरह के प्रस्ताव का विरोध करते हैं तब यह मामला सीधे-सीधे हिन्दू-मुसलमान का हो जाता है। लेकिन जब नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा चयनित विधानसभा अध्यक्ष पार्टी के प्रस्ताव को मंजूरी नहीं देता और तमिलनाडु की तुलना पर कहता है कि इस समय यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है जबकि तमिलनाडु में उस समय प्रस्ताव पास हुआ था जब मामला न्यायालय में नहीं गया था। लेकिन पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और नेशनल कॉन्फ्रेंस और कुछ निर्दलीय मुस्लिम विधायकों ने अध्यक्ष की बात को नकार दिया तो हंगामा यहां तक बढ़ा कि 'भारत माता की जय और 'अल्लाह हू अकबर के नारे लगने लगे, धक्का-मुक्की हुई, हाथापाई भी हुई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की कोशिश यह दिखाई दी कि वह वक्फ अधिनियम का विरोध करते हुए भी दिखाई दें, मगर वास्तव में विरोध नहीं करें। जम्मू-कश्मीर की यह स्थिति मजहब, राजनीति और सत्ता के तेजी से बिगड़ते संतुलन का प्रतीक है। विधानसभा में जिस तरह की सांप्रदायिक कटुता दिखाई दी अगर वह सदन से बाहर प्रसारित होती है तो जम्मू-कश्मीर इस समय थोड़ी शांति से जी रहा है, फिर से उपद्रवी हालात की ओर मुड़ सकता है। ऐसी सूरत में मुख्यमंत्री उमर की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह इस मामले को यथाशीघ्र शांत करें और इसे अराजकवादी तत्वों के हाथ में पहुंचने से रोकें। केंद्र सरकार को भी इस मामले को हलके में नहीं लेना चाहिए। भाजपा और मुस्लिम नेताओं की भी इसमें जिम्मेदारी बनती है कि इस मुद्दे पर वे लोगों को अनावश्यक तौर पर न भड़काएं क्योंकि शांति सभी के लिए हितकर है।

बहस में न्यायालय और उप राष्ट्रपति की चिंता

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यह कहकर एक नई बहस को जन्म दिया है कि 'देश ने ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां जज कानून बनाएंगे, कार्यपालिका का काम भी खुद ही करेंगे और सुपर संसद की तरह काम करेंगे। अनुच्छेद-142 न्यायपालिका के लिए न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को दरकिनार करने के लिए इसका उपयोग किया जा रहा है।' उप राष्ट्रपति धनखड़ कानून के गहरे जानकार हैं।राजस्थान उच्च न्यायालय से लेकर सुप्रीमकोर्ट तक में प्रैक्टिस कर चुके हैं। उप राष्ट्रपति बनने से पहले प. बंगाल जैसे चुनौतीपूर्ण राज्य में उप राज्यपाल रह चुके हैं। उस दौरान उन्होंने संविधान का भी गहरा अध्ययन किया और राज्यपाल से लेकर राष्ट्रपति के अधिकारों को समझा और समझाया। ऐसे विद्वान उप राष्ट्रपति यदि न्यायपालिका पर भी कोई प्रश्न खड़ा कर रहे हैं तो उसके निहितार्थ समझने होंगे। देश के संविधान के अनुसार राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग कार्य निर्धारित हैं! यदि नियमों की बात की जाए तो भारत में विधायिका का काम कानून बनाना है, कार्यपालिका उन कानूनों को लागू करती है और न्यायपालिका कानून की व्याख्या करती है और विवादों का निपटारा करती है। इन तीनों के ऊपर है भारत का राष्ट्रपति, इसलिए ही वह (राष्ट्रपति) संघ का प्रमुख है और विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियां राष्ट्रपति में ही निहित बताई गई हैं। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति का अधिकार राष्ट्रपति के पास है। वह न्यायालय के सम्मान में ही सुप्रीम कोर्ट के कोलेजियम की सिफारिश पर ही न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। राष्ट्रपति के पास यह शक्ति भी है कि वह किस न्यायाधीश को उसके पद से हटाएं अथवा नहीं, यानी कि न्यायाधीशों को उनके पद से समय पूर्व या किसी भी कारण से हटाने का अधिकार भी राष्ट्रपति अपने पास रखते हैं। जब देश में किस भी मामले में कानून संबंधी सवाल खड़े होते हैं तब भी राष्ट्रपति के पास यह अधिकार सुरक्षित है कि वह तय करेंगे कि देश को किस ओर ले जाना है, इसके लिए राष्ट्रपति अदालत को निर्देशित भी कर सकते हैं। इतना सब होने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए मृत्युदंड के फैसले में सिर्फ राष्ट्रपति अपनी शक्ति का उपयोग कर अपराधी को क्षमादान दे सकते हैं। फिर राष्ट्रपति के पास तीनों सेनाओं का सुप्रीम कमांडर होने की भी शक्ति है। इस तरह देखें तो भारत के राष्ट्रपति की अपार शक्तियां हैं, जिन्हें किसी भी न्यायालय की सीमा में नहीं बांधा जा सकता, क्योंकि वह उससे भी ऊपर है। भारतीय संविधान कहता है कि राष्ट्रपति देश का सबसे बड़ा पद है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट न्यायपालिका की सबसे बड़ी इकाई होने के नाते देश के राष्ट्रपति को सलाह दे सकता है, लेकिन राष्ट्रपति सुप्रीम कोर्ट की सलाह को मानेंगे अथवा नहीं, यह राष्ट्रपति के विवेक पर छोड़ दिया गया है। यानी कि न्यायालय द्वारा दी गई किसी भी सलाह को मानना राष्ट्रपति के लिए स्पष्ट रूप से बाध्यकारी नहीं है। कुल मिलाकर राष्ट्रपति में संपूर्ण राष्ट्र की शक्ति निहित है, अर्थात् विधायिका, कार्यपालिका और न्यायालय तीनों की शक्ति राष्ट्रपति पद में निहित है। पर यहां व्यवहार में क्या हो रहा है? जिस राष्ट्रपति को विधायिका चुनती है, और यह विधायिका किसी भी लोकतंत्र शासन प्रणाली में उस लोक के एक-एक चुने हुए जन प्रतिनिधि से बनती है, उस विधायिका की शक्ति को ही न्यायालय आज खुद से संचालित करते हुए देखा जा रहा है। जिस विधायिका और कार्यपालिका के माध्यम से चुने हुए जनता के प्रतिनिधि जनतंत्र को संचालित करने का काम करते हैं, आज न्यायालय उस पर ही कई तरह से अंकुश लगाने का काम कर रहा है। वास्तव में इसी का यह सबसे बड़ा उदाहरण है जिसमें कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समयसीमा तय कर दी। वस्तुतः इसी पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नाराजगी जताई है। उन्हें कहना पड़ा है कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। हम ऐसे हालात नहीं बना सकते जहां अदालतें राष्ट्रपति को निर्देश दें। अब भले ही अनुच्छेद 142 भारत के सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार देता है कि वह पूर्ण न्याय (कम्पलीट जस्टिस) करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फैसला दे सकता है, चाहे वह किसी भी मामले में हो। पर उसे भी यह सदैव याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार सबसे अहम है और सभी संस्थाओं को अपनी-अपनी सीमाओं में रहकर काम करना चाहिए। कोई भी संस्था संविधान से ऊपर नहीं है। उपराष्ट्रपति धनखड़ आज जो राष्ट्रपति द्वारा विधेयकों पर निर्णय लिये जाने के वास्ते समयसीमा निर्धारित करने संबंधी उच्चतम न्यायालय के फैसले पर चिंता जता रहे हैं, वह वाकई गंभीर है। क्योंकि भारत ने ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे। आश्चर्य है, राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से फैसला करने के लिए कहा जा रहा है और यदि ऐसा नहीं होता है, तो संबंधित विधेयक कानून बन जाता है। धनखड़ पूछ रहे हैं, हम कहां

जा रहे हैं? देश में ये क्या हो रहा है? हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका का कार्य स्वयं संभालेंगे, जो 'सुपर संसद' के रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता! वे सही कह रहे हैं, कि भारत में राष्ट्रपति संविधान की रक्षा, संरक्षण एवं बचाव की शपथ लेते हैं, जबकि मंत्री, उपराष्ट्रपति, सांसदों और न्यायाधीशों सहित अन्य लोग संविधान का पालन करने की शपथ लेते हैं। 'हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें और वह भी कसि आधार पर? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना का है उसके आधार पर। फिर भी इसके लिए पांच या उससे अधिक न्यायाधीशों की आवश्यकता होती है।' उन्होंने यह भी सवाल उठाया है कि जब अनुच्छेद 145(3) तय हुआ था, तब सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या आठ थी, उसमें भी इस प्रकार के निर्णय के लिए पांच या उससे भी अधिक न्यायाधीशों की आवश्यकता होती है, पर अब तो 30 से ऊपर हैं, तब फिर समझलीजिए कि यदि इस तरह का कोई निर्णय न्यायपालिका को लेना हो तो कितने जज होने चाहिए? पर जो फैसला तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने लिया है, और उसमें जिस तरह से राष्ट्रपति की शक्तियों को छोटा कर दिखाने का प्रयास हुआ है, वह कहीं से भी उचित नहीं ठहराया जा सकेगा। यह भारतीय संविधानिक व्यवस्था में पहली बार हुआ है कि राज्यपाल के दस्तखत के बगैर सुप्रीम कोर्ट के आदेश से कोई विधेयक कानून बना और तमिलनाडु के सभी 10 लंबित विधेयकों को मंजूरी मिल गई। बेंच ने कहा कि राज्यपाल के पास पूर्ण या आंशिक वीटो का अधिकार नहीं है। वह विधानसभा से पास बिल को नहीं लटका सकता है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति को भी बताया है कि अगर राज्य का बिल उनके पास आता है तो उनको अनिवार्य रूप से सुप्रीम कोर्ट से मशविरा करना होगा और वे भी बिल को तीन महीने से ज्यादा नहीं रोक सकती हैं। इस तरह से न्यायाधीशों ने जो वस्तुतः राष्ट्रपति को एक आदेश जारी किया और एक परिदृश्य देश के सामने प्रस्तुत किया है, उससे यही लग रहा है कि न्यायालय में ही सबकी शक्ति निहित हो गई है। विधायिका और कार्यपालिका के अधिकार गौण हो गए हैं। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि क्या संविधान में न्यायपालिका को दिए गए अधिकारों की क्या न्यायालय ही गलत कानूनी व्याख्या कर रहा है?

सूडोकु नवताल- 7406

✱✫✫✫✫ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7405 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

डिग्री नहीं, दक्षता चाहिए- नई अर्थव्यवस्था की नई ज़रूरतें

डॉ. सत्यवान सौरभ

वर्तमान में उच्च शिक्षा प्रणाली उद्योग की तेजी से बदलती आवश्यकताओं से मेल नहीं खाती, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश स्नातक रोजगार के लिए अयोग्य माने जाते हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार केवल 45.9% स्नातक ही रोजगार योग्य हैं, जबकि तकनीकी क्षेत्र में भी यह आंकड़ा बहुत कम है। विश्वविद्यालयों को अपने पाठ्यक्रमों को नियमित रूप से उद्योग के विशेषज्ञों से समीक्षा कराना चाहिए, ताकि छात्रों को भविष्य की नौकरी के लिए तैयार किया जा सके। इसके अलावा, शिक्षा में मानवीय मूल्यों, सॉफ्ट स्किल्स और सामाजिक उत्तरदायित्व के पहलुओं को भी शामिल किया जाना चाहिए, जिससे छात्रों को न केवल पेशेवर, बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण से भी तैयार किया जा सके। विश्वविद्यालयों और उद्योगों के बीच अधिक समन्वय से भारत को एक अधिक सक्षम, समावेशी और प्रतिस्पर्धी कार्यबल मिल सकता है जो देश को 2047 तक एक विकासशील राष्ट्र बनने में मदद करेगा। भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या वाला देश है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश एक वरदान बन सकता है, यदि हम इसे कुशलता, योग्यता और आधुनिक ज़रूरतों के मुताबिक तैयार करें। परंतु अफसोस कि हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली आज एक गहरे संकट से जूझ रही है। विश्वविद्यालयों में जो पढ़ाया जा रहा है और उद्योगों को जो चाहिए, इन दोनों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। यह खाई केवल छात्रों की रोजगार क्षमता को ही नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक प्रगति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को भी गंभीर रूप से बाधित कर रही है। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट- 2024 के अनुसार, भारत में केवल 45.9% स्नातक ही रोजगार के योग्य पाए गए। इसका अर्थ यह है कि हर दो में से एक छात्र, जिसने उच्च शिक्षा प्राप्त की है, वह नौकरी के लायक कौशल से लैस नहीं है। तकनीकी संस्थानों की स्थिति भी निराशाजनक है। नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, केवल 25% इंजीनियरिंग स्नातक ही आईटी सेक्टर में कार्य के लिए उपयुक्त पाए गए। यह स्थिति न केवल शिक्षा प्रणाली की विफलता है, बल्कि देश के करोड़ों युवाओं के सपनों के टूटने की त्रासदी भी है। इस समस्या की जड़ है, सैद्धांतिक और अकादमिक दृष्टिकोण वाली शिक्षा प्रणाली जो व्यावहारिक दुनिया की ज़रूरतों से कटी हुई है। विश्वविद्यालयों का पाठ्यक्रम दशकों पुराना है, जो आज के डेटा-संचालित, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-प्रेरित, नवाचार-प्रधान उद्योग की ज़रूरतों से मेल नहीं खाता। आज की नौकरियाँ पहले जैसी नहीं रहीं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉकचेन, साइबर सुरक्षा और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्र तेज़ी से बढ़ रहे हैं। लेकिन इन उभरते क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों में ज़रूरी बदलाव नहीं हो पा रहा है। उदाहरणस्वरूप, आईआईटी हैदराबाद ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बीटेक प्रोग्राम शुरू किया है, जो कि एक दूरदर्शी कदम है। लेकिन अधिकांश विश्वविद्यालय अब भी पुरानी पाठ्य पुस्तकों और व्याख्यानों पर निर्भर हैं। यह स्थिति केवल तकनीकी पाठ्यक्रमों की नहीं है। वाणिज्य, मानविकी, समाजशास्त्र, मीडिया, कानून और अन्य विषयों में भी छात्रों को भविष्य की ज़रूरतों से लैस नहीं किया जा रहा है। परिणामस्वरूप वह न तो नौकरी के लिए तैयार होते हैं, न ही नवाचार या उद्यमिता की दिशा में सोच पाते हैं। इस संकट का समाधान केवल एक तरफ़ा नहीं हो सकता। इसके लिए नीति, संस्थान और उद्योग, इन तीनों को एक साथ आगे आना होगा। हर 2-3 वर्षों में उद्योग विशेषज्ञों की मदद से पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि विषयवस्तु समय के साथ प्रासंगिक बनी रहे। शिक्षकों को उद्योगों में इंटर्नशिप या एक्सपोज़र दिया जाए ताकि वे छात्रों को वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप शिक्षा दे सकें। सभी विश्वविद्यालयों को अपने पाठ्यक्रम में औद्योगिक इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स और केस स्टडी आधारित मूल्यांकन शामिल करना चाहिए। तकनीकी और मानवीय विषयों का समावेशः केवल तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि सॉफ्ट स्किल्स, संवाद क्षमता, टीमवर्क, सहानुभूति और नेतृत्व जैसे तत्वों का भी विकास किया जाना जरूरी है। कंपनियाँ विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर रिसर्च लैब्स, इनोवेशन हब और स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करें, जैसा कि आईआईटी मद्रास का रिसर्च पार्क इसका उदाहरण है। भारत को यह समझना होगा कि अकेले तकनीकी शिक्षा से संपूर्ण विकास संभव नहीं। हमें वैश्विक मॉडलों से सीखना चाहिए। जर्मनी का "ड्यूल एजुकेशन सिस्टम" एक शानदार उदाहरण है, जहाँ सिद्धांत और व्यवहार का समन्वय छात्रों को उद्योग के लिए तैयार करता है। इसी प्रकार, अमेरिका में सामुदायिक कॉलेजेज़ और स्टार्टअप एक्सेलेरेटर शिक्षा को उद्योग से जोड़ते हैं।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कई तरह की व्यक्तिगत गतिविधियों में दिन व्यतीत होगा। आज आपको स्वयं पर भरोसा रखना होगा। अपनी क्षमता से अधिक कार्य भार ना लें। आज के दिन निवेश करना भविष्य के लिए लाभकारी रहेगा। प्रॉपर्टी अथवा वाहन खरीदने संबंधी विचार चल रहा है, तो उस पर अमल करने का अनुकूल समय है। कुछ समय अपनी रुचि संबंधी कामों में भी बिताएंगे।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कारोबारी गतिविधियों में ध्यान देने की जरूरत है। आज उत्तम स्थिति बनी हुई है लिए गए निर्णय के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। विद्यार्थियों को इंटरव्यू अथवा करियर में उचित सफलता मिलने के योग है। प्रॉपर्टी से संबंधित कार्यवाही चल रही है, तो आज बात बन सकती हैं। जीवन के प्रति आपका सकारात्मक रवैया आपके आत्म बल को और अधिक मजबूत रखेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। दूसरों की व्यक्तिगत गतिविधियों से खुद को दूर रखें। अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक मामलों को अहमियत दें। आज बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने से उनका मनोबल बढ़ेगा। इसलिए उनके साथ कुछ समय बिताएंगे। आज सम्मानित व्यक्तियों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। घर की सुख- सुविधा से संबंधित मूल्यवान वस्तुओं की खरीददारी करेंगे। धर्म-कर्म के मामलों में आस्था बनी रहेगी।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज खास कार्य पूरा होने से आपको प्रसन्नता मिलेगी। आज अपने बारे में सोचे और अपने लिए ही काम करें। पारिवारिक समस्या किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह से समाप्त होगी और आपसी रिश्ते बेहतर बनेंगे। आज आपका आर्थिक पक्ष बेहतर बना रहेगा। परंतु खर्चो पर कटौती करना भी मुश्किल होगा। खुद को साबित करने के लिए और मेहनत की जरूरत है।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपको विशेष उपलब्धि मिलने वाली है। आपका गुस्सा व बहुत अधिक अनुशासित होना दूसरों के लिए समस्याएं उत्पन्न करेगा। कुछ समय अध्यात्मिक अथवा धार्मिक गतिविधियों में व्यतीत करें। व्यवसाय में किसी के साथ डील या लेनदेन करते समय बहुत अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। अपनी जीवनशैली को और उन्नत बनाकर रखने का प्रयास करें। अपने काम को नया रूप देने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों में रुचि लेंगे। ऑफिस में कार्यभार की अधिकता की वजह से देर तक रुकना पड़ेगा। आज रुका हुआ काम पूरा होने वाला है। आपकी सकारात्मक और संतुलित सोच आपको योजनाबद्ध तरीके से काम संपन्न करने में मदद करेगी।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज परिस्थितियां आपके पक्ष में सुखद परिवर्तन लाने वाली है। इस समय व्यावसायिक मामलों में अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए नया प्लान बनाएंगे।विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की नाकाम कोशिश कर सकते है। सरकारी सेवारत लोगों को बेहतरीन जिम्मेदारी मिलने वाली है।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। व्यवस्थित और योजनाबद्ध तरीके से कार्यों को पूरा करेंगे। मन मुताबिक परिणाम मिलने से मन में खुशी रहेगी। युवाओं को अपने करियर से संबंधित खुशखबरी मिल सकती हैं। आज व्यवसाय संबंधी किसी काम में पिता जी से सलाह मिलेगी जो आपके लिए कारगर साबित होगी।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। किसी दोस्त से खुशखबरी मिलने वाली है। आज आपको ऑनलाइन कुछ नया सीखने को मिलेगा, जो कि आपके भविष्य के लिए बहुत ही कारगर साबित होगा।

मकर राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। किसी भी काम को करने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी अवश्य हासिल करें। आज आप व्यापार में प्रोडक्शन के साथ-साथ उनकी गुणवत्ता पर भी ध्यान देंगे। आज कई चीजें आपके पक्ष में रहेंगी। किसी को उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा।

कुंभ राशि- आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। बच्चों की शिक्षा अथवा करियर को लेकर चल रही समस्या का समाधान मिलेगा। किसी कोर्ट केस का फैसला आज आपके पक्ष में आएगा। जीवनसाथी आज आपके कार्यों में सहयोग करेंगे। एक दूसरे पर भरोसा बनाये रखें, रिश्ते में मजबूती आएगी।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। किसी अनुभवी के मार्गदर्शन से सभी कार्य योजना बद्ध तरीके से संपन्न होते जाएंगे और आप अपने अंदर अद्भुत ऊर्जा महसूस करेंगे। युवा वर्ग अपने भविष्य संबंधी गतिविधियों को लेकर पूरी तरह गंभीर रहेंगे।

संघ शताब्दी वर्ष - राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अनमोल योगदान

दीपक कुमार त्यागी

देश व दुनिया में प्रसिद्ध राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय निर्माण की विचारधारा के दम पर अपनी विशेष पहचान रखता है। यह देश व दुनिया का एक ऐसा संगठन है जो अपनी विशेष कार्यशैली के दमखम पर दुनिया में सनातन धर्म-संस्कृति के रक्षक तौर पर और एक बहुत बड़े सामाजिक संगठन के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। संघ वर्ष 2025 में स्थापना का 100वां वर्ष धूमधाम से मना रहा है और वह दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि संघ भारत का एक ऐसा संगठन है जो अपनी स्थापना के दशकों के बाद भी अपनी विचारधारा व उद्देश्यों से जरा भी नहीं भटका है, वह आज भी अपनी विचारधारा पर पूरी तरह से कायम है। मां भारती के सपूत स्वतंत्रता सेनानी डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने जंगें आज़ादी के दौर में विजयदशमी के पावन पर्व के दिन 27 सितंबर 1925 को महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना देश, संस्कृति व समाज हित के कार्यों को करने के उद्देश्य से की थी। इस संकल्प के चलते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना काल से लेकर के आज तक देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय ढांचे को मजबूत करने में निरंतर लगा हुआ है। वैसे निष्पक्ष रूप से देखा जाए तो संघ के द्वारा किए गए कार्यों ने करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाते हुए गुलामी की जंजीरों को तोड़ कर के आज़ाद हुए भारत देश के निर्माण में पूरी निष्ठा व ईमानदारी से सकारात्मक योगदान देने का कार्य किया है। अपने शीर्ष नेतृत्व के सशक्त राष्ट्र, सभ्य समृद्धशाली समाज निर्माण के ओजस्वी विचारों के चलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का राष्ट्र निर्माण व सनातन धर्म की रक्षा करने में अनमोल योगदान रहा है। जिस योगदान को हम लोग आज भी देश के विभिन्न क्षेत्रों में आसानी से देख सकते हैं। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए संघ ने देश में सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर दिन-रात एकजुट होकर के काम किया है। हालांकि देश की आज़ादी के संघर्ष के दौर से लेकर आज़ाद भारत तक में भी चंद राजनेताओं के क्षणिक राजनैतिक स्वार्थों को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हमेशा से ऐसे लोगों के निशाने पर रहा है। ऐसी स्थिति के चलते ही राष्ट्र की आज़ादी व सशक्त राष्ट्र निर्माण की यात्रा में संघ के स्वयंसेवकों

के अनमोल योगदान को दशकों तक सत्ता व सिस्टम में बैठे कुछ लोगों द्वारा अनदेखा किया गया। देश के चंद राजनेताओं ने धर्म विशेष के लोगों को खुश करने के लिए संघ को बदनाम करने का कार्य तक भी किया है। यह सब आज भी उनके अनुयायियों के द्वारा जारी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में कुछ राजनेताओं के द्वारा पैदा की गयी नकारात्मक स्थिति के बाद भी राष्ट्र व समाज हित के लिए अपना कार्य हमेशा निस्वार्थ भाव से करना जारी रखा और कभी भी संघ के इन स्वयंसेवकों ने इन कार्यों का श्रेय लेने तक का भी प्रयास नहीं किया। हालांकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सामने राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रस्त सरकारों के दौर में शासन व प्रशासन के द्वारा बार-बार विकट स्थिति उत्पन्न करने के बावजूद संघ के स्वयंसेवकों ने कभी भी हिम्मत नहीं हारी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने स्थापना काल के दौर से ही राष्ट्र निर्माण, एकता और सांस्कृतिक जागरण के दीप को प्रज्ज्वलित करते हुए समाज को संगठित करने और सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने पर जोर दिया है। जंगें आज़ादी के दौर में संघ ने जहां लोगों को राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत करने का कार्य बखूबी किया था, वहीं आजाद भारत में संघ ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के प्रयास करते हुए एकता और आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य निरंतर किया। देश के दूरदराज इलाकों तक में भी अपनी 55000 शाखाओं व करोड़ों स्वयंसेवकों के माध्यम से पहुंच कर संघ ने देश के युवाओं के एक बहुत बड़े वर्ग को अनुशासन में रहना सिखाते हुए, उनमें नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का कार्य बखूबी कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ कार्यों की बानगी देखें तो जंगें आज़ादी के दौर में संघ ने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में योगदान देते हुए, समाज में राष्ट्रीय चेतना के भाव को जागृत करने का काम बखूबी किया था। संघ ने वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान पाकिस्तान से आए हुए विस्थापितों की बढ़-चढ़कर के सहायता करते हुए, उन लोगों के जान-माल की सुरक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का कार्य किया। संघ के स्वयंसेवकों ने अपनी जान की परवाह ना करते हुए महामारी के दौर में लोगों की बढ़-चढ़कर के मदद की। संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठनों ने समय-समय पर देश के विभिन्न हिस्सों में आयी प्राकृतिक आपदाओं (भूकंप, बाढ़, अग्निकांड, चक्रवाती तूफ़ान आदि), युद्ध और अन्य राष्ट्रीय संकटों के समय हमेशा राहत व बचाव के कार्यों में बढ़-चढ़कर के सक्रिय भूमिका निभाई। आज के व्यवसायिक दौर में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हुए विभिन्न संगठन जैसे विद्या भारती, सेवा भारती जैसे संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में कार्यरत हैं। विद्या भारती जैसे संघ के संगठनों ने भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य पूरे देश में चला रखा है।

देश में हजारों स्कूलों के माध्यम से लाखों छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा निरंतर प्रदान की जा रही है। शिक्षा के माध्यम से नैतिकता, देशभक्ति और सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों को युवा पीढ़ी में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। आज देश में 86 प्रांतीय एवं क्षेत्रीय समितियाँ विद्या भारती से सम्बद्ध हैं। जिसके अंतर्गत 30,000 शिक्षण संस्थाओं में 9,00,000 शिक्षकों के मार्गदर्शन में 45 लाख छात्र-छात्राएं शिक्षा एवं संस्कार ग्रहण कर रहे हैं। इनमें से 49 शिक्षक प्रशिक्षक संस्थान एवं महाविद्यालय, 2353 माध्यमिक एवं 923 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, 633 पूर्व प्राथमिक एवं 5312 प्राथमिक, 4164 उच्च प्राथमिक एवं 6127 एकल शिक्षक विद्यालय तथा 3,679 संस्कार केंद्र हैं। आज देश के विभिन्न हिस्सों के नगरों और ग्रामों में, वनवासी और पर्वतीय क्षेत्रों में झुग्गी-झोंपड़ियों में, शिशु वाटिकाएं, शिशु मंदिर, विद्या मंदिर, सरस्वती विद्यालय, उच्चतर शिक्षा संस्थान, शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र और शोध संस्थान हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2025: मुश्किल पिच पर नेहाल वढेरा ने आसान किया लक्ष्य- हरप्रीत बरार

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में शुक्रवार को पंजाब किंग्स ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को 5 विकेट से हराया। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश के चलते मुकाबला 14 ओवर का कर दिया गया था। पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और अपने गेंदबाजों के दम पर आरसीबी को 95/9 के स्कोर पर रोक दिया।

पंजाब के गेंदबाजों ने किया कमाल- पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह, मार्को यानसन, युजवेंद्र चहल और हरप्रीत बरार ने 2-2 विकेट लिए। वहीं, ज़ेवियर बार्टलेट को भी एक सफलता मिली। आरसीबी की ओर से टिम डेविड ने अर्धशतक लगाया, लेकिन बाकी बल्लेबाज बुरी तरह फ्लॉप रहे।

नेहाल वढेरा की शानदार पारी- लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की टीम की शुरुआत धीमी रही, लेकिन नेहाल वढेरा ने नाबाद 33 रन (19 गेंद) की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को 12.1 ओवर में 5 विकेट शेष रहते जीत दिला दी।

हरप्रीत बरार ने की वढेरा की तारीफ- मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंजाब किंग्स के स्पिनर हरप्रीत बरार ने कहा, "पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। नेहाल वढेरा ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर हमारा काम आसान कर दिया। वो पिछले 2-3 साल से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। घरेलू टूर्नामेंट्स में भी उनका अच्छा रिकॉर्ड रहा है। आज जिस अंदाज में उन्होंने बल्लेबाजी की, वो काबिले तारीफ है।"

श्रेयश अय्यर बोले- चहल आईपीएल के बेस्ट गेंदबाज- वहीं, पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयश अय्यर ने युजवेंद्र चहल की तारीफ करते हुए उन्हें 'आईपीएल का बेस्ट बॉलर' बताया। अय्यर ने कहा, "मैच से पहले हम नहीं जानते थे कि पिच कैसा व्यवहार करेगी। लेकिन हमारे कोचों और गेंदबाजों ने हालात के मुताबिक खुद को ढाल लिया। चहल ने शानदार गेंदबाजी की और अहम विकेट दिलाए।"

अगला मुकाबला फिर आरसीबी से- पंजाब किंग्स का अगला मुकाबला अब 20 अप्रैल को न्यू पीसीए स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ ही होगा।

वानखेड़े स्टेडियम पर अपने नाम से पेवेलियन बनने पर सम्मानित अनुभव कर रहा : रोहित

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि उनके नाम पर कोई स्टैंड बनेगा। रोहित ने कहा कि मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) द्वारा वानखेड़े स्टेडियम के दिवेचा पवेलियन लेवल 3 का नाम बदलकर रोहित शर्मा स्टैंड करने के फैसले से वह गर्व और सम्मान का अनुभव कर रहे हैं। ये उनके लिए भावुक कर देने वाला क्षण है। इस क्रिकेटर ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया, जब वह आजाद मैदान में अंडर-16 प्रशिक्षण के बाद मुंबई रणजी खिलाड़ियों को देखने जाते थे। उन्होंने कहा कि साल 2003-04 में, हम रणजी खिलाड़ियों को देखने ट्रैक पर जाते थे। तब से ही वानखेड़े से पुड़ी मेरी कई यादें हैं। स्टेडियम के पुनर्निर्माण के बाद हमने विश्व कप जीता। अब अपने नाम पर स्टैंड देखना अवास्तविक लगता है। रोहित ने 2007 में भारतीय टीम की ओर से डेब्यू किया था। वह 2007 टी20 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने अब तक 159 टी20आई, 273 एकदिवसीय और 67 टेस्ट मैच खेले हैं। पिछले साल बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीतने के बाद उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कर दिया था। रोहित को 26 मई से शुरू होने जा रहे मुंबई टी20 लीग के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। 2018 में शुरू हुई टी20 मुंबई लीग, एमसीए द्वारा आयोजित एक प्रमुख घरेलू टी20 टूर्नामेंट है, जो युवा प्रतिभाओं के लिए मंच प्रदान करती है।

एशेज सीरीज के बाद गाबा मैदान पर नहीं होंगे क्रिकेट मुकाबले

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन स्टेडियम में अब प्रशंसकों को क्रिकेट मुकाबले देखने को नहीं मिलेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज के बाद यह मैदान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले लेगा। इस मैदान पर दशकों से क्रिकेट और ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग (एएफएल) मुकाबले होते रहे हैं। को 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के बाद ध्वस्त कर दिया जाएगा। गाबा स्टेडियम को क्रिकेट और फुटबॉल का गढ़ माना जाता है पर अब क्वींसलैंड सरकार ने इस ऐतिहासिक मैदान की जगह विक्टोरिया पार्क में एक नया, अत्याधुनिक स्टेडियम बनाने की घोषणा की है। यह स्टेडियम करीब 63,000 दर्शकों की क्षमता वाला होगा और भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी के

लिए उपयोग में लाया जाएगा। गाबा स्टेडियम को क्रिकेट की दुनिया में ऑस्ट्रेलिया का एक ऐसा मैदान माना जाता है जहां उसे हमेशा ही जीत मिलती रही है हालांकि साल 2021 में भारतीय क्रिकेट टीम ने इस मैदान पर जीतक मेजबान टीम का अजेय वाला रिकार्ड तोड़ दिया था। भारतीय टीम ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऑस्ट्रेलिया को साल 1988 के बाद पहली बार इस मैदान पर पराजित किया था। गाबा स्टेडियम लंबे समय से पुरानी संरचना और सीमित सुविधाओं के कारण निशाने पर बना हुआ था। इसे मैदान के पुनर्निर्माण की पहले योजना थी पर भारी भरकम खर्च को देखते हुए रद्द कर दिया गया। लोग इस स्टेडियम के भी भारी रकम खर्च करने के खिलाफ थे जिसे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया दबाव में था। वहीं सरकार ने अब तय किया है कि गाबा की जगह एक नया अत्याधुनिक स्टेडियम बनाया जाएगा, जो आधुनिक खेल सुविधाओं से परिपूर्ण होगा और इससे क्वींसलैंड के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलेंगे। नए स्टेडियम के निर्माण में लगभग 3.8 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की लागत आएगी। इसे क्रिकेट, एएफएलएल फुटबॉल और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाएगा।

पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा बोले, पांड्या कभी हार नहीं मानते

मुंबई। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह बेहद जुनूनी हैं और कभी हार नहीं मानते। जडेजा ने कहा है कि उन्हें पांड्या की यही खूबी बेहद पसंद है। साथ ही कहा कि वह हर हाल में टीम का नेतृत्व करने तैयार रहते हैं। इस सत्र की शुरुआत से ही टीम का अभियान लगातर हार से कमजोर पड़ा था जो अब पटरी पर आने लगा है। टीम ने इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद पर लगातार दो जीत दर्ज की हैं। । पांड्या ने अब तक छह मैचों में 11 विकेट लिए हैं और वह संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। जडेजा ने कहा, पांड्या आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं, चाहे वह बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो, फील्डिंग हो या फिर मैदान के बाहर। वह हमेशा मुस्कुराते रहते हैं। उनके बारे में एक बात यह है कि वह कभी हार नहीं मानते। पिछला साल उनके लिए अच्छा नहीं रहा, पर इस साल शुरुआत में अच्छे परिणाम नहीं मिलने के बाद भी वह अपनी शैली पर बने रहे। उन्होंने यह भी लगता है कि मुम्बई का हौंसला दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली 12 रन की

जीत से बढ़ा है। उन्होंने कहा, मेरे हिसाब से, बदलाव दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में आया। उस मैच में मुम्बई हार के करीब पहुंचकर भी जीत गयी और यही पांड्या की स्टाइल है। जडेजा ने कहा, इससे टीम के रवैये में बदलाव आया। इस मैच ने दिखाय कि मुम्बई और हार्दिक किस प्रकार से खेलते हैं। जब हार्दिक पांड्या मैदान में आते हैं, तब चाहे टीम को 10, 12, 15 रन प्रति ओवर की जरूरत होती है, तब भी आपको लगता है कि उनके पास क्रीज पर जीत के बेहतर अवसर है।

सीनियर खिलाड़ियों से सलाह लें बाबर आजम : जहीर अब्बास

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जहीर अब्बास ने कहा है कि खराब दौर से गुजर रहे बल्लेबाज बाबर आजम को सीनियर खिलाड़ियों से सलाह लेनी चाहिये। अब्बास ने कहा कि इससे बाबर को पता चलेगा कि वह कहां गलती कर रहे हैं।

उसमें सुधार कर वह पहले की तरह बेहतर बल्लेबाजी कर पायेंगे। अब्बास ने कहा कि जिस प्रकार से बाबर किसी से बात नहीं कर रहे उससे लगता है कि वह घमंडी हैं और किसी से सलाह लेना अपमान समझते हैं। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज रहे जहीर ने कहा कि कई बार ऐसा हुआ है जब पाकिस्तानी और भारतीय खिलाड़ियों ने खराब दौर से गुजरने के दौरान एक-दूसरे से सलाह मांगी थी। उन्होंने कहा कि साल 2016 में यूनिस खान ने मोहम्मद अजहरुद्दीन से बात की और इंग्लैंड में दोहरा शतक लगाया। वहीं साल 1989-90 में भारत के पाकिस्तान दौरे पर अजहरुद्दीन ने मुझसे सलाह मांगी थी। तब भी रन नहीं बना पा रहा था। ऐसे में मैंने उसे बल्लेबाजी की ग्रिप बदलने के लिए कहा था जिससे उसे लाभ मिला। इसके अलावा सईद अनवर ने भी खराब दौर में सुनील गावस्कर से सलाह मांगी थी। गौरतलब है कि बाबर पिछले काफी समय से रन बनाने में विफल रहे हैं।

व्यापार

एचडीएफसी बैंक का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 6.6 फीसदी बढ़कर 17,616 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में एचडीएफसी बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 6.6 फीसदी बढ़कर 17,616 करोड़ रुपये रहा है। बैंक ने एक रुपये प्रति इक्विटी शेयर पर 22 रुपये का लाभांश देने की सिफारिश की है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी में एचडीएफसी बैंक ने बताया कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त चौथी तिमाही में एचडीएफसी बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 6.6 फीसदी बढ़कर 17,616 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की सामान तिमाही में बैंक का मुनाफा 16,512 करोड़ रुपये रहा था। बैंक के मुताबिक जनवरी-मार्च

तिमाही में उसकी कुल आमदनी 89,488 करोड़ रुपये थी, जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 89,639 करोड़ रुपये रही थी। बैंक की ब्याज से आमदनी वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान 77,460 करोड़ रुपये रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 71,473 करोड़ रुपये थी। एचडीएफसी बैंक के निदेशक मंडल ने पिछले वित्त वर्ष 202-25 के लिए एक रुपये प्रति इक्विटी शेयर पर 22 रुपये का लाभांश देने की सिफारिश की है। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) भी मार्च, 2025 के अंत तक सकल ऋण के 1.33 फीसदी तक बढ़ गईं, जो एक साल पहले 1.24 फीसदी थीं। इसी तरह शुद्ध एनपीए यानी खराब ऋण पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के अंत में 0.33 फीसदी से बढ़कर 0.43 फीसदी हो गए। इसके अलावा एकीकृत आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ जनवरी-मार्च तिमाही में 6.8 फीसदी की वृद्धि के साथ 18,835 करोड़ रुपये रहा है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में यह 17,622 करोड़ रुपये था।

सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी तेजी रही

- सेंसेक्स 1.96 प्रतिशत उछलकर 78,553 पर बंद
- निफ्टी 1.77 प्रतिशत बढ़कर 23,851.65 पर बंद

मुंबई। बीते सप्ताह अवकाश की वजह से कम दिन हुए कारोबार में घरेलू शेयर बाजार ने अपना दमखम बरकरार रखा और साप्ताहिक आधार पर बाजार फरवरी 2021 के बाद सबसे बढ़ी वीकली बढ़त लेकर बंद हुए। बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में साप्ताहिक आधार पर दो फीसदी की तेजी देखी गई। सोमवार को भारतीय बाजार आंबेडकर जयंती के मौके पर और शुक्रवार को गुड फ्राइडे के अवसर पर बद रहे। इसलिए बाजार में केवल तीन दिन ही कारोबार हुआ, जो इस प्रकार है- घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को सकारात्मक रुख के साथ खुला। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में जबरदस्त तेजी देखी गई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 1,750.37 अंक उछलकर 76,907.63 अंक पर खुला और 1,577.63 अंक चढ़कर 76,734.89 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 539.8 अंक बढ़कर 23,368.35 अंक पर खुला और 509.91 अंक मजबूत होकर 23,338.45 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 165.3 अंक गिरकर 76,569.59 अंक पर खुला और 309.40 अंक चढ़कर दो सप्ताह के उच्चतम स्तर 77,044.29 पर बंद हुआ। निफ्टी 51.55 अंक गिरकर 23,277 अंक पर खुला और 108.65 अंक या 0.47 प्रतिशत बढ़कर 23,437.20 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट देखी गई। हालांकि, लाल निशान पर खुलने के थोड़ी देर बाद ही शेयर बाजार संभलने लगा और हरे निशान पर आ गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 362 अंक गिरकर 76,682.29 अंक पर खुला और 1,508.91 अंक या 1.96 प्रतिशत उछलकर 78,000 के स्तर पर पहुंच गया। अंत में यह 78,553.20 पर बंद हुआ। निफ्टी 129.75 अंक गिरकर 23,307.45 अंक पर खुला और 414.45 अंक या 1.77 प्रतिशत बढ़कर 23,851.65 अंक पर बंद हुआ।

भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के संदर्भ में शामिल हैं 19 अध्याय

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए दोनों देशों द्वारा अंतिम रूप दिए गए संदर्भ की शर्तों (टीओआर) में करीब 19 अध्याय शामिल हैं। इनमें माल, सेवाओं और सीमा शुल्क की सुविधा जैसे मुद्दों को शमिल किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि वार्ता को और अधिक गति देने के लिए भारत की एक आधिकारिक टीम अगले हफ्ते वाशिंगटन का दौरा कर रही है, ताकि प्रस्तावित भारत-अमेरिकी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने से पहले कुछ मुद्दों पर मतभेदों को दूर किया जा सके। भारत के मुख्य वार्ताकार, वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल, दोनों देशों के बीच पहले व्यक्ति की बातचीत के लिए टीम का नेतृत्व करेंगे। राजेश

अग्रवाल को 18 अप्रैल को अगले वाणिज्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। वह 1 अक्टूबर से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। जानकारी के मुताबिक वाशिंगटन में अमेरिकी समकक्षों के साथ तीन दिवसीय भारतीय आधिकारिक टीम की बातचीत बुधवार, 23 अप्रैल से शुरू होगी। यह यात्रा एक उच्चस्तरीय अमेरिकी टीम के भारत दौरे के कुछ ही सप्ताह के भीतर हो रही है। उल्लेखनीय है कि दोनों पक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नए टैरिफ पर 09 अप्रैल को घोषित 90 दिनों की रोक का उपयोग करना चाहते हैं।

एलन मस्क इस साल के अंत में भारत आएंगे, प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत के बाद शेयर किया पोस्ट

नई दिल्ली। टेस्ला इंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क इस साल के अंत में भारत दौरे पर आएंगे। मस्क ने शनिवार यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ फोन पर हुई बातचीत के एक दिन बाद की है। एलन मस्क ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा कि 'पीएम मोदी के साथ बात करना सम्मान की बात थी। मैं इस साल के अंत तक भारत आने की प्रतीक्षा कर रहा हूं।' एलन मस्क ने अपने इस पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक्स पर शेयर की गई पोस्ट का जवाब देते हुए यह बात लिखी है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एलन मस्क से बातचीत के बाद अपने एक्स पोस्ट अकाउंट पर लिखा था, 'एलन मस्क

से बातचीत की और विभिन्न मुद्दों के बारे में चर्चा की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषय शामिल थे। हमने प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की अपार क्षमता पर चर्चा की। भारत इन डोमेन में अमेरिका के साथ हमारी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत ने समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार की पहली खेप निर्यात की

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर से अनार न्यूयॉर्क निर्यात किया गया

नई दिल्ली। भारत ने पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार का निर्यात किया है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने महाराष्ट्र से अमेरिका के लिए भारतीय अनार की पहली वाणिज्यिक समुद्री खेप भेजी है। पारंपरिक रूप से निर्यात हवाई मार्ग से किया जाता था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि भारत ने पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार का निर्यात किया है। पहले पारंपरिक रूप से निर्यात हवाई मार्ग से किया जाता था। अब उद्योग लागत प्रभावी और टिकाऊ समुद्री मार्ग माल ढुलाई के लिए अपना रहा है। मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार भारत ने पिछले महीने भारतीय अनार के 4,620 बक्सों की पहली समुद्री खेप, जिसका वजन लगभग 14 टन था, मार्च के दूसरे सप्ताह में अमेरिका के पूर्वी तट पर पहुंच गई। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर से यह अनार अमेरिका के न्यूयॉर्क को निर्यात की गई है। एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने कहा, "भारत सरकार वैश्विक बाजार के लिए भारतीय

ताजा फलों को बढ़ावा देने में अग्रणी रही है। एपीडा पहले ही अनापत्ति कार्यक्रम के लिए वित्त व्यवस्था करके अमेरिका में आम और अनार जैसे भारतीय फलों के निर्यात में सहायता कर रहा है। उन्होंने कहा कि "अनार की बेशकीमती भारतीय भगवा किस्म" की ऐतिहासिक वाणिज्यिक समुद्री खेप सफलतापूर्वक अमेरिका पहुंच गई है, जो देश के ताजे फलों के निर्यात के लिए मील का पत्थर है।

जाट की रिलीज के एक हफ्ते बाद मेकर्स ने किया सीक्वल का एलान, नए मिशन के साथ लौटेंगे सनी देओल

सनी देओल की नई एक्शन थ्रिलर फिल्म जाट बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. इस फिल्म ने अपने 100 करोड़ रुपये के बजट का लगभग 70 प्रतिशत वसूल कर लिया है. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए एक हफ्ता हो गया है. एक हफ्ते के अंदर ही फिल्म ने 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था. बॉक्स ऑफिस पर जाट की सफलता के बीच, मेकर्स ने फिल्म के सीक्वल का एलान किया है. सनी देओल, रणदीप हुड्डा और विनीत कुमार सिंह की एक्शन फिल्म जाट सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक चल रही है. रिलीज के एक हफ्ते बाद, मेकर्स ने इसके सीक्वल का अनाउंसमेंट किया है. गोपीचंद मालिनेनी निर्देशित एक्शन-थ्रिलर सनी देओल के साथ कहानी को आगे बढ़ाएगी. मैथ्री मूवी मेकर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर जाट 2 के पोस्टर के साथ इसका एलान किया है और कैप्शन में लिखा है, बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद जाट अभी रुका नहीं है. वह एक नए मिशन पर हैं. इस बार, मास फेस्ट बड़ा, बोल्ड और ज्यादा जंगली होगा. फिलहाल अभी जाट 2 की रिलीज की तारीख की पुष्टि की जानी बाकी है. वहीं, सनी देओल ने भी अपनी यह खुशी फैंस संग साझा की है. उन्होंने ने भी इंस्टाग्राम पर जाट 2 का पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, जाट एक नए मिशन पर. जाट2 जाट 2 के अनाउंसमेंट के बाद फैंस में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है. सनी देओल के पोस्ट के कमेंट सेक्शन में एक फैन ने कमेंट कर लिखा है, एक बार फिर से पूरा इंडिया घूंज ऊठैगा जाट 2. एक फैन ने लिखा है, लव यू पाजी. हम इंतजार करेंगे जाट 2 का. एक दूसरे फैन ने लिखा है, वॉउ, मैं बहुत एक्साइटेड हूं. मेकर्स ने अभी-अभी जाट के 7वें दिन के कलेक्शन का आंकड़ा शेयर किया है. मेकर्स के ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, जाट ने एक सप्ताह में 70.4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. फिल्म ने 7वें दिन सबसे कम कलेक्शन किया. इसने बुधवार को भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 4.95 करोड़ रुपये ही कमाए. सनी की एक्शन फिल्म जाट, निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी की हिंदी भाषा में पहली फिल्म है. इस फिल्म में रणदीप हुड्डा खलनायक की भूमिका निभात नजर आए हैं. इसमें जगपति बाबू, रेजिना कैसांद्रा, सैयामी खेर, विनीत कुमार सिंह, प्रशांत बजाज, जरीना वहाब जैसे अन्य कलाकार भी शामिल हैं. फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली. लेकिन दर्शकों को सनी देओल और रणदीप हुड्डा के एक्टिंग और एक्शन सीन काफी पसंद आई है.

ज्वेल थीफ का नया गाना इल्जाम जारी

सैफ अली खान-निकिता दत्ता का दिखा रोमांटिक अंदाज

सैफ अली खान पिछली बार फिल्म देवरा में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। पिछले कुछ समय से सैफ अपनी आगामी फिल्म ज्वेल थीफ: द हीस्ट बिगिन्स को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिका में होंगे। कुणाल कपूर और निकिता दत्ता भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। जादू के बाद अब निर्माताओं ने ज्वेल थीफ का नया गाना इल्जाम जारी कर दिया है। इस गाने का मुख्य आकर्षण सैफ अली खान और निकिता दत्ता के बीच की शानदार केमिस्ट्री है। उनकी स्क्रीन पर उपस्थिति मंत्रमुग्ध कर देने वाली है, जिसमें निकिता शालीनता और संवेदनशीलता

का अद्भुत संतुलन प्रस्तुत करती हैं। उनकी भावनात्मक आँखें बहुत कुछ कहती हैं, और उनका सूक्ष्म अभिनय ट्रैक के भावनात्मक गहराई को उजागर करता है। सैफ ने भी उन्हें बेहतरीन समर्थन दिया है, जो उनकी बातचीत में एक शांत जुनून और गहराई लाता है। उनके बीच का संबंध परिपक्व, स्तरित और गहन रोमांटिक प्रतीत होता है, जिससे हर शॉट में तनाव और कोमलता का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलता है, जिसे रॉबी ग्रेवाल और कुकी गुलाटी की जोड़ी ने निर्देशित किया है। गाने का संगीत साउंडट्रैक और अनीस अली

साबरी ने तैयार किया है और गाने को विशाल मिश्रा और शिल्पा राव ने गाया है, जबकि गीत कुमार ने लिखे हैं। निकिता की शान और भावपूर्ण गहराई कहानी को समृद्ध बनाती है, जिससे सैफ के साथ उनकी केमिस्ट्री न केवल विश्वसनीय, बल्कि आकर्षक बन जाती है। अपने आकर्षक दृश्यों और भावपूर्ण धुन के साथ, यह गाना ज्वेल थीफ के भावनात्मक कोर के लिए स्वर सेट करता है – रहस्यमय, अंतरंग और अविस्मरणीय। इस फिल्म के निर्देशन की कमान कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल ने संभाली है, वहीं सिद्धार्थ आनंद फिल्म के निर्माता हैं। बता दें कि ज्वेल थीफ सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 25 अप्रैल, 2025 से नेटफ्लिक्स पर होगा।

ईशान-भूमि स्टारर द रॉयल्स की रिलीज डेट आउट, जल्द होगी जिद्दी राजकुमार की आमकुमारी से मुलाकात, नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक

ईशान खट्टर और भूमि पेडनेकर की अपकमिंग रॉयल रोमांटिक-कॉम, द रॉयल्स का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर होगा. प्रियंका घोष और नुपुर अस्थाना द्वारा निर्देशित सीरीज में जीनत अमान, साक्षी तंवर, नोरा फतेही, डिनो मोरिया, मिलिंद सोमन, चंकी पांडे, विहान समत, काव्या त्रेहन, सुमुखी सुरेश, उदित अरोड़ा, लिसा मिश्रा और ल्यूक जैसे कलाकार शामिल हैं. सीरीज की कहानी मोरपुर में सेट की गई है जहां एक शाही परिवार बिना किसी शाही दौलत के रहता था. जब भूमि उनकी जिंदगी में आती है तो उनकी लाइफ नया मोड़ लेती है. उनकी इस शाही लाइफ को ठीक करना उसका एकमात्र उद्देश्य बन जाता है. लेकिन मोरपुर पैलेस के कंगाल राजकुमार को संभालना जितना कहा गया है, उससे कहीं ज्यादा मुश्किल लगता है.

जब राजकुमार की शानदार दुनिया एक आम लड़की से टकराती है तो सबकुछ बदल जाता है. अहंकार टकराता है और दोनों में रोमांस खिलता है. ईशान खट्टर और भूमि पेडनेकर की आने वाली रॉयल रोमांटिक-कॉम, द रॉयल्स का प्रीमियर 9 मई को नेटफ्लिक्स पर होगा. नेटफ्लिक्स ने एक पोस्टर के साथ रिलीज डेट अनाउंस की और लिखा, एक जिद्दी राजकुमार एक गर्लबॉस आमकुमारी से मिलता है रॉयल मेस, या शाही लव स्टोरी? द रॉयल्स देखें, 9 मई को, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर. प्रियंका घोष और नुपुर अस्थाना द्वारा निर्देशित, नेहा वीना शर्मा द्वारा लिखी गई और प्रीतीश नंदी कम्युनिकेशंस के बैनर तले निर्मि इस सीरीज में भूमि पेडनेकर वर्क पोटैटो की सीईओ सोफिया शेखर की भूमिका निभा रही हैं और अभिराज सिंह, एक शानदार पार्टी प्रिंस ईशान खट्टर की भूमिका निभा रहे हैं. इनके साथ ही सीरीज में जीनत अमान, साक्षी तंवर, नोरा फतेही, डिनो मोरिया और अन्य शामिल हैं.

रणवीर सिंह की डॉन 3 से जुड़ीं शरवरी वाघ, साल के अंत तक शुरू होगी शूटिंग

जब से फरहान अख्तर की सुपरहिट फ्रैंचाइजी डॉन की तीसरी किस्त डॉन 3 का ऐलान हुआ है, यह लगातार किसी न किसी कारण चर्चा में है। खास बात यह है कि तीसरे भाग के हीरो शाहरुख खान नहीं, बल्कि रणवीर सिंह हैं। फिल्म में उनकी जोड़ी कियारा आडवाणी के साथ

बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अब डॉन 3 में अभिनेत्री शरवरी वाघ की एंट्री हो चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, डॉन 3 की स्टार कास्ट में अब शरवरी शामिल हो गई हैं। फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने उनसे संपर्क किया थी और कहानी सुनने के बाद अभिनेत्री तुरंत इसके लिए हामी भर दी है। शरवरी भी इतनी बड़ी फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनकर काफी उत्साहित हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस साल के अंत तक फिल्म डॉन 3 की शूटिंग शुरू हो सकती है। डॉन फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म 2006 में आई थी। 38 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था। डॉन 2 2011 में आई और इसने 203 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए। फरहान ने अपने प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटेरटेनमेंट के बैनर तले डॉन और डॉन 2 बनाई थीं। वह दोनों फिल्मों के निर्देशक भी थे, वहीं रितेश सिद्धवानी ने फरहान के साथ मिलकर इन फिल्मों के प्रोडक्शन का काम संभाला था।

जान्हवी कपूर ने रेड ड्रेस में लगाया फैशन का तड़का, एक्सेसरीज से बढ़ाया ग्लैमर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अपने स्टाइल के लिए जानी जाती है. वह हर लुक में बला की खूबसूरत लगती हैं. हाल ही में वह रेड कार्पेट पर नडर आई हैं. जहां पर उनके ग्लैमर अंदाज ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया था. उनका यह लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. एक्ट्रेस अपने फैशन सेंस के लिए सुर्खियों में रहती हैं. अवॉर्ड फंक्शन में जान्हवी कपूर ने रेड कलर का शिमरी ऑफ-शोल्डर गाउन पहना था, जिसमें वह बेहद ग्लैमरस और स्टनिंग लग रही थीं. इस गाउन की स्वीटहार्ट नेकलाइन और कॉर्सेट फिटिंग ने उनके लुक को और भी खूबसूरत बना दिया था. गाउन का ए- लाइन शेप उनके कर्व्स को हाइलाइट कर रहा था. जिससे उनका लुक एलीगेंट और ग्रेसफुल नजर आया. यह ड्रेस उन्हें प्रिंसेस लुक दे रही थी. जान्हवी ने अपने इस रेड कार्पेट लुक को बेहद क्लासी एक्सेसरीज

के साथ कंप्लीट किया. उन्होंने बीवीएलगारी का खूबसूरत चोकर नेकलेस पहना, जो बी.जीरो1 रॉक चेन हाई ज्वेलरी नेकलेस है. यह ज्वैलरी पीस 18 कैरेट रोज गोल्ड से बना हुआ है और इसमें शाइनी डायमंड्स जड़े हुए हैं. इसके अलावा उन्होंने मैचिंग बी.जीरो1 की इयररिंग्स, रिंग्स और एक स्टैक्ड ब्रेसलेट भी पहना था. जिससे उनके लुक में चार चांद लग गए. एक्ट्रेस के मेकअप की बात करें तो उन्होंने शिमरी रोज गोल्ड आईशैडो, मस्कारा, फ्लश्ड चीक्स, बेरी-टोन्ड लिप्स और हाइलाइटर का इस्तेमाल किया, जिससे उनका लुक और भी निखरकर सामने आया. उनका मेकअप लुक बेहद फ्रेश और सॉफ्ट ग्लैम टच लिए हुए था, जो उनके ओवरऑल अपीयरेंस को परफेक्ट बना रहा था. इसके साथ ही, उन्होंने अपने बालों को सॉफ्ट वेव्स में स्टाइल किया, जो इस लुक के साथ बेहतरीन तरीके से मैच कर रहा था.

PM Modi to visit Saudi Arabia on April 22-23, defence cooperation on agenda

Agency: Prime Minister Narendra Modi will visit Saudi Arabia from April 22 to 23, following an invitation from His Royal Highness Mohammed bin Salman, the Crown Prince and Prime Minister of Saudi Arabia, the government announced. The visit will be hosted in the city of Jeddah, where PM Modi's engagements will include a ceremonial welcome by the Crown Prince. Additionally, the two leaders will co-chair the second meeting of the Strategic Partnership Council, aimed at building on the already strong bilateral relationship. The Ministry of External Affairs said that the visit aims to strengthen bilateral relations and enhance cooperation in key areas of mutual interest. Foreign Secretary Vikram Misri highlighted the importance of Prime Minister Modi's visit to Saudi Arabia, stating, "The visit is significant due to Saudi Arabia's role as a strategic partner for India. The country is home to one of the largest Indian expatriate communities globally. Additionally, Saudi Arabia is a key voice in the Islamic world and is increasingly influential in regional matters. This visit presents an opportunity to further strengthen the already robust ties with this strategic partner. The Prime Minister and Crown Prince share a strong personal bond, marked by mutual respect, which has greatly benefited the bilateral relationship." India and

Saudi Arabia have a strong and friendly relationship, rooted in a long history of socio-cultural and trade connections.

As strategic allies, the two nations enjoy bilateral ties across multiple sectors, including politics, defence, security, trade, investment, energy, technology, healthcare, education, culture, and people-to-people interactions. Over the past decade, India's relationship with the Kingdom has developed into a more solid and lasting partnership, with increased investment, expanded defence collaboration, and frequent high-level exchanges across various fields.

Meerut man tricked into marrying 45-year-old woman instead of her 21-year-old daughter

SHAMLI: When 22-year-old Mohammad Azim from Meerut's Brahmpuri arrived for his nikah ceremony last week, he believed he was about to marry a 21-year-old woman. But when he lifted the bride's veil, he was shocked to find a 45-year-old widow, the mother of the woman he thought he was set to wed. Azim told police that on March 31, his elder brother Nadeem and sister-in-law Shaida assured him that his marriage had been arranged with Shaida's 21-year-old niece, Mantasha, a resident of Fazalpur in Kankerkhera. However, during the ceremony, Azim grew suspicious when the maulvi announced the bride's name as Tahira - Mantasha's mother. "I was shocked when I lifted the veil and saw that the bride was not Mantasha, but her mother Tahira," Azim told police. He claimed that when he protested and refused to take the bride home, his brother and sister-in-law threatened to implicate him in a false rape case. Betrayed and fearing legal trouble, Azim returned home alone and approached the SSP office in Meerut on Thursday to file a complaint.

SSP Meerut Dr Vipin Tada said, "A complaint has been received regarding the matter. A thorough investigation will be conducted and necessary action will be taken based on the facts." The case is currently under inquiry.

Elon Musk praises PM Modi, to visit India this year as Tesla readies debut

Agency: A day after holding a telephonic conversation with Prime Minister Narendra Modi, Tesla and SpaceX CEO Elon Musk said he would be making his much-awaited visit to India later this year as Tesla readies to debut its fleet of electric vehicles in the Indian market. Furthermore, in a post on X, the man tasked with spearheading the Department of Government Efficiency (DOGE) by President Donald Trump, said it was "an honour" to speak to PM Modi. The Prime Minister's conversation with Elon Musk comes at a crucial juncture for both nations, as New Delhi and Washington are trying to erase differences on tariffs and work on convergences towards a trade deal. In a post on X, PM Modi revealed he spoke to the tech billionaire and discussed the "immense potential" for collaboration in technology and innovation. The conversation also came on the heels of Vice President

JD Vance's visit to India from April 21 to April 24. Sharing details of the interaction on X, PM Modi wrote, "Spoke to Elon Musk and talked about various issues, including the topics we covered during our meeting in Washington DC earlier this year. We discussed the immense potential for collaboration in the areas of technology and innovation. India remains committed to advancing our partnerships with the US in these domains." PM Modi met Elon Musk in February this year, during his two-day visit to the US. The SpaceX CEO was accompanied by his three children - X, Strider and Azure. During the meeting, Elon Musk gifted PM Modi a Starship hexagonal heatshield tile. The PM's telephonic conversation with Elon Musk comes amid reports that Tesla is preparing to enter the Indian market by shipping a few thousand cars to a port near Mumbai in the coming months. According to a Bloomberg report citing sources familiar with the matter, the US electric vehicle giant is planning to begin sales in Mumbai, Delhi, and Bangalore by the third quarter of this year. Tesla's anticipated debut in India also aligns with ongoing discussions between New Delhi and Washington over import tariffs, which are likely to shape the carmaker's long-term strategy in the country. The move follows renewed momentum in Tesla's India plans, sparked by PM Modi's earlier in-person meeting with Musk in Washington. Since then, the company has reportedly begun hiring for roles related to showrooms and deliveries.

Close down Parliament if Supreme Court has to make law': Nishikant dubey

Agency: After Vice President Jagdeep Dhankar questioned Supreme Court, now a BJP leader has added fuel to the fire, saying Parliament should stop functioning if the apex court acts like it. Taking aim at Supreme Court on Friday, seasoned BJP parliamentarian Nishikant Dubey in a cryptic post on X wrote, "Kanoon yadi Supreme Court hi banayega to Sansad Bhavan bund kar dena chahiye (Parliament should be closed down if the Supreme Court has to make the laws)." His remarks came amid hearings on several pleas ongoing in the Supreme Court challenging the constitutionality of the Waqf (Amendment) Act. Parliament passed the Bill in the first week of April. Meanwhile, Centre has decided not to implement some of its contentious provisions till the next date of hearing after court raised several concerns over them. The timing of Dubey's remark is also noteworthy as Vice President Jagdeep Dhankar recently voiced strong disapproval of

Supreme Court's judgement after it set a timeline for the President to take decision on the bills sent to her. "We cannot have a situation where you direct the President of India and on what basis?" Dhankhar question SC while speaking to the sixth batch of Rajya Sabha interns at the Vice-President's Enclave on Thursday.

"There is a directive to the President by a recent judgement. Where are we heading? What is happening in the country? We have to be extremely sensitive. It is not a question of someone filing a review or

not. We never bargained for democracy for this day. President being called upon to decide in a time-bound manner, and if not, becomes law," Dhankhar added. "President being called upon to decide in a time-bound manner, and if not, it becomes law. So we have judges who will legislate, who will perform executive functions, who will act as super Parliament, and absolutely have no accountability because law of the land does not apply to them," he further said. However, opposition parties lauded court's observation over the Waqf Act and direction to President.

Amid *'Hindi imposition'* row, Uddhav and Raj Thackeray hint at burying the hatchet

Agency: The row over the BJP-led Maharashtra government's decision to make Hindi a mandatory third language seems to have united warring first cousins Uddhav and Raj Thackeray nearly two decades after their bitter fallout. In a podcast with filmmaker Mahesh Manjrekar, Maharashtra Navnirman Sena (MNS) chief Raj Thackeray said he was willing to set aside minor disputes to protect the interests of Maharashtra and preserve the Marathi language. The MNS chief, who allied with the NDA in the 2024 Lok Sabha polls, said he had no qualms about working with Uddhav Thackeray if the Shiv Sena (UBT) chief was willing. "When major issues arise, the disputes and quarrels between us are small.

For Maharashtra and the Marathi people, the conflicts between us are insignificant. Coming together is not a difficult task, but the real question is about the willingness to do so," Raj Thackeray said. However, he clarified that it was not due to his personal willingness or his individual interests. "It's important to keep the larger picture in mind," he said. Raj, once seen as the political heir of his uncle and the late Shiv Sena supremo Bal Thackeray, left the Shiv Sena in 2005 amid a dispute with Uddhav for control of the party. Raj floated the MNS the next year. Reacting to his estranged cousin's remark, Uddhav said he was also willing to set aside "small quarrels" and unite in the interest of the Marathi community. However, the Sena (UBT) chief put a condition that he should not "invite home and serve food" to those who act against Maharashtra's interests - a likely reference to the BJP and its Mahayuti allies. "I am also ready to set aside the small quarrels and come together in the interest of the Marathi community. But there is one condition. First, decide that you won't

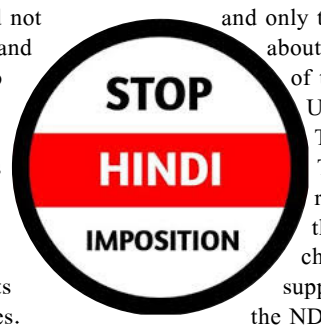

invite home and serve food to those who act against Maharashtra's interests, and only then talk about the welfare of the state," Uddhav said. The senior Thackeray reminded the MNS chief of his support for the NDA in the 2024 Lok Sabha elections. "When I was saying during the Lok Sabha elections that industries were being moved from Maharashtra to Gujarat, if there had been opposition at that time, then the BJP government wouldn't be at the Centre today," he said. "Even in the state, there would have been a government that thinks about the interests of Maharashtra. Back then, you supported them," Uddhav further said.

The trigger behind Raj Thackeray's outreach to Uddhav has been the Maharashtra government's decision to make Hindi a compulsory third language from Classes 1 to 5 under the National Education Policy (NEP). The move, a departure from the usual practice of studying two languages, has ignited a firestorm of protests from regional leaders and parties.

The MNS and the Uddhav Sena have slammed the Devendra Fadnavis-led BJP government for imposing Hindi while undermining the importance of Marathi. Defending the decision, Devendra Fadnavis said Marathi was already compulsory.

"What the Central government thinks is that one communication language needs to be there and that is why this decision is taken," he said.

India slams Bangladesh over Hindu leader's killing

Agency: India on Saturday reacted strongly to the kidnapping and killing of a Hindu leader in Bangladesh, calling upon the Muhammed Yunus-led interim government to "live up to its responsibility of protecting all minorities, including Hindus." "We have noted with distress the abduction and brutal killing of Shri Bhabesh Chandra Roy, a Hindu minority leader in Bangladesh," Ministry of External Affairs official spokesperson Randhir Jaiswal said in a statement. "This killing follows a pattern of systematic persecution of Hindu minorities under the interim government even as the perpetrators of previous such events roam with impunity," Jaiswal further said. Reiterating India's earlier stance on minorities, Jaiswal added, "We condemn this incident and once again remind the interim government to live up to its responsibility of protecting all minorities, including Hindus, without

inventing excuses or making distinctions." Last year, following the arrest of Hindu monk Chinmoy Krishna Das at Dhaka airport, India repeatedly reminded Bangladesh of its duty to protect the rights of minorities. Even Jaiswal urged the Yunus administration to protect minorities, while stating that the reported acts of violence against minorities can't be dismissed as "media exaggeration." According to local media reports on Friday, the body of 58-year-old Bhabesh Chandra Roy was recovered on Thursday night after he was allegedly kidnapped from his house in north Bangladesh. Roy's wife told The Daily Star that he had received a call around 4:30 pm, allegedly made by the accused to find out if he was present at that time. She further claimed that her husband was forcefully taken from their premises half an hour later and taken to Narabari village, where he was allegedly beaten up. When Roy was sent back to his home in an unconscious state, the neighbours rushed him to a nearby hospital, where he was declared dead. According to local reports, the police are yet to locate the suspects in connection with Roy's brutal murder.